▸▸ वर्ष : 35 ▸▸ अंक : 17 ▸▸ मुंबई, मंगलवार, 31 मार्च 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अमित शाह ने बताई वाम चरमपंथ की कहानी

लोकसभा में आज नक्सलवाद पर चर्चा की गई। ओवैसी, कंगना और अनुराग ठाकुर समेत इसमें कई सांसदों ने भाग लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस बहस का हिस्सा रहें। अपने संबोधन में उन्होंने कई बाड़ी बाते कहीं। उन्होंने संबोधन की शुरुआत में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कई बदलाव आए। वहीं, नक्सलवाद भी साल 2026 तक समाप्त करने की दिशा में बड़ी सफलता मिली। आगे गृहमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज वर्षों से चाहता था कि उनकी स्थिति संसद में सामने आए, लेकिन लंबे समय तक इस पर गंभीर चर्चा नहीं हुई। साथ ही उन्होंने वाम चरमपंथ की पूरी टाइमलाइन भी पेश की। अमित शाह ने बताया कि वामपंथी आंदोलन की जड़ें 1964 में माकपा के गठन से जुड़ी हैं। उस समय सोवियत संघ और चीन के बीच वैचारिक मतभेद हुआ, जिसके चलते भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से अलग होकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी बनी। इसके बाद 1969 में भाकपा-माले का गठन हुआ, जिसने लोकतांत्रिक व्यवस्था का विरोध करते हुए सशस्त्र संघर्ष का रास्ता अपनाया।

लाल गलियारे का सूर्यास्त

1970-2026 तक के खूनी खेल का खात्मा: गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के आंतरिक सुरक्षा इतिहास में 31 मार्च 2026 की तारीख महज एक कैलेंडर तिथि नहीं, बल्कि एक युग के अंत का उद्घोष बनने जा रही है। आधी सदी से अधिक समय तक देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना रहा नेपाल के पशुपति से लेकर आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक फैला 'लाल गलियारा' (रेड कॉरिडोर) अब अपने अस्तित्व की अंतिम सांसे गिन रहा है, यानी 'नक्सलबाड़ी' से शुरू हुआ यह हिंसक अध्याय अब अपने अंतिम पृष्ठ पर है। गृह मंत्रालय की 'जीरो टॉलरेंस' नीति और 'सुरक्षा-विकास-विश्वास' के त्रिकोणीय प्रहार ने नक्सली नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2024 के मध्य में छत्तीसगढ़ में हुई कुछ बैठकों में इस तारीख को नक्सलवाद के अंतिम दिन के तौर पर तय करने का प्रण लिया था। इसके बाद से ओडिशा से लेकर छत्तीसगढ़ और झारखंड से लेकर आंध्र प्रदेश तक न सिर्फ नक्सली नेतृत्व को ध्वस्त किया गया, बल्कि कैडर के कैडर का सफाया कर दिया गया।

क्या कहते हैं आंकड़े

2014
- 126 नक्सल प्रभावित जिले
- 35 सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित
- 350 नक्सल घटनाएं दर्ज करने वाले पुलिस स्टेशन

2026
- 2 नक्सल प्रभावित जिले
- 0 सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित
- 7 नक्सल घटनाएं दर्ज करने वाले पुलिस स्टेशन

1964-1969 में शुरू हुआ वैचारिक विभाजन

1964 में माकपा के गठन के साथ वामपंथी राजनीति में दो धाराएं बनीं। 1969 में भाकपा-माले ने संसदीय राजनीति को नकारते हुए सशस्त्र क्रांति का रास्ता चुना। अमित शाह ने कहा कि यह फैसला लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ था और यहीं से नक्सलवाद की शुरुआत हुई।

1975 से 2004 तक नक्सल संगठन मजबूत हुए

अमित शाह ने कहा कि 1975 के बाद माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर यानी एमसीसी सक्रिय हुआ, जो बिहार और झारखंड में फैला। 1998 में पीपुल्स वॉर ग्रुप बना और कई गुट एकजुट हुए। 2001 में गुरिल्ला फोर्स बनाई गई और 2004 में विभिन्न माओवादी संगठनों का विलय हुआ, जिससे आंदोलन और मजबूत हुआ।

रेड कॉरिडोर में फैला नक्सलवाद

उन्होंने कहा कि नक्सलियों ने उन इलाकों को चुना जहां सरकार की पहुंच कम थी। वहां के भोले-भाले आदिवासियों को गुमराह कर उनके हाथ में हथियार थमा दिए गए। उन्होंने कहा कि इस विचारधारा का मकसद विकास नहीं, बल्कि सत्ता हासिल करना था।

2014 के बाद बदली रणनीति और हालात

अमित शाह ने कहा कि 2014 के बाद सरकार ने विकास और सुरक्षा दोनों पर जोर दिया। धारा 370 और 35ए हटाने, जीएसटी लागू करने और अन्य बड़े फैसलों से देश मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास पहुंचाने और सुरक्षा बलों की कार्रवाई से हालात बदले। अमित शाह ने कहा कि 2026 तक नक्सलवाद लगभग समाप्त हो गया है और अब देश नक्सलवाद मुक्त भारत की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने इसे सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि यह 12 साल देश के लिए परिवर्तनकारी रहे हैं।

मेट्रो प्रोजेक्ट्स की 'आयरन लेडी' अब संभालेंगी मुंबई की कमान

अश्विनी भिड़े होंगी बीएमसी कमिश्नर!

सीएम फडणवीस ने फाइल पर लगाई मुहर

धीरज सिंह । मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के इतिहास में पहली बार किसी महिला अधिकारी को 'कमिश्नर' की कमान सौंपी जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अश्विनी भिड़े के नाम पर अंतिम मुहर लगा दी है। मौजूदा कमिश्नर भूषण गगरानी की 31 मार्च (कल) को होने वाली सेवानिवृत्ति के बाद, अश्विनी भिड़े मुंबई की नई नगर पालिका आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाल सकती हैं।

138 साल के इतिहास में पहली बार

अगर अश्विनी भिड़े पदभार ग्रहण करती हैं, तो वे बीएमसी के इतिहास में पहली महिला आयुक्त बनकर रिकॉर्ड कायम करेंगी। अब तक इस पद पर केवल पुरुष अधिकारियों का ही दबदबा रहा है। 1995 बैच की आईएएस अधिकारी अश्विनी भिड़े को मुंबई के इंफ्रास्ट्रक्चर की गहरी समझ है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की एमडी रहते हुए उन्होंने 'मेट्रो-3' जैसे जटिल प्रोजेक्ट्स को जमीन पर उतारा। वर्तमान में वे मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर तैनात हैं और सीएम फडणवीस की भरोसेमंद मानी जाती हैं। अश्विनी भिड़े के पास अभी लंबा सर्विस पीरियड बचा है। यदि उनकी नियुक्ति होती है, तो उन्हें 2030 तक का कार्यकाल मिल सकता है। इससे मुंबई के विकास कार्यों और आगामी महानगरपालिका चुनावों के दौरान प्रशासन में स्थिरता बनी रहेगी।

इन नामों की भी चर्चा

'इंफ्रास्ट्रक्चर मैन' के रूप में विख्यात 1996 बैच के संजय मुखर्जी का भी नाम चल रहा है। वहीं, 1994 बैच के असीम गुप्ता, जो वर्तमान में उपमुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ-साथ शहरी विकास और आवास विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, अपनी प्रशासनिक पकड़ के कारण मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। इनके साथ ही, लोक निर्माण और वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर भी अपने व्यापक अनुभव के आधार पर इस दौड़ में शामिल हैं।

पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया तो बंद हो सकती है एलपीजी

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने कहा है कि राज्य में जिन इलाकों में पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) उपलब्ध है, वहां अगर तीन महीने के भीतर कनेक्शन नहीं लिया गया तो गैस सिलेंडर (LPG) की आपूर्ति बंद की जा सकती है। भुजबल ने बताया कि केंद्र सरकार ने PNG नेटवर्क को तेजी से विस्तार देने पर जोर दिया है। इसी के तहत राज्य में भी लोगों को पाइप्ड गैस अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

तीन महीने में आवेदन नहीं करने वालों पर सख्ती के संकेत

पीड़ित परिवारों को सरकारी कवच

▸▸ एससी-एसटी अत्याचार के मामलों में अब मिलेगी सरकारी नौकरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति (एससी-एसटी) अत्याचार मामलों में बड़ा निर्णय लेते हुए मृतक के परिवार को आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में अहम कदम उठाया है। अब ऐसे मामलों में मृतक के एक पात्र वारिस को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इस फैसले को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सरकार की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। सरकार ने इस संबंध में विस्तृत कार्यप्रणाली (जीआर) जारी कर दी है, जिससे योजना के क्रियान्वयन को स्पष्ट दिशा मिल गई है।

90 दिनों में शुरू होगी नियुक्ति प्रक्रिया

सरकार के अनुसार, एससी-एसटी अत्याचार निवारण कानून के तहत दर्ज हत्या या अत्याचार से हुई मृत्यु के मामलों में एफआईआर दर्ज होने के 90 दिनों के भीतर या आरोपपत्र दाखिल होने के बाद (जो पहले हो) नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। खास बात यह है कि अदालत के अंतिम फैसले का इस नौकरी पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

किन पदों पर मिलेगी नौकरी

पात्र वारिस को गट 'क' और गट 'ड' श्रेणी के सरकारी या अर्ध-सरकारी पदों पर नियुक्त किया जाएगा। इनमें महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग के दायरे से बाहर के पद और आयोग के अंतर्गत केवल लिपिक वर्गीय पद शामिल होंगे।

कौन होगा पात्र वारिस?

पात्रता का क्रम इस प्रकार रहेगा, पत्नी या पति, पुत्र या पुत्री, विधिवत दत्तक संतान। यदि उपरोक्त उपलब्ध न हों, तो बहू अथवा विधवा, परित्यक्ता या तलाकशुदा बेटी व बहन। अविवाहित स्थिति में भाई या बहन।

मुंबई में गर्मी से राहत

- 31 मार्च से 2 अप्रैल तक हल्की बारिश के आसार
- तापमान में 2-3 डिग्री गिरावट की उम्मीद
- मुंबई, ठाणे और पालघर में बारिश की संभावना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, मुंबई समेत ठाणे और पालघर जिलों में 31 मार्च से 2 अप्रैल के बीच हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों के लिए यह राहत भरी खबर है। मौसम विभाग का कहना है कि इस बेमौसम बारिश के चलते तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की कमी आ सकती है। जहां हाल के दिनों में तापमान 38-40 डिग्री तक पहुंच गया था, वहीं अब 2 अप्रैल तक अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

प्री-मानसून गतिविधियों का असर

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह बदलाव प्री-मानसून गतिविधियों के कारण हो रहा है। अरब सागर से आने वाली नमी और उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला है। हालांकि मुंबई के लिए कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है, लेकिन मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ के कुछ इलाकों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में तेज हवाएं, गरज और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। महाराष्ट्र कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे रबी की कटी हुई फसलों को सुरक्षित स्थानों पर रखें, ताकि बारिश और ओलावृष्टि से नुकसान न हो।

एकनाथ खडसे और बेटी शारदा खडसे पर एफआईआर

51 हजार में करोड़ों की जमीन लेने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/जलगांव

एनसीपी (शरद पवार गुट) के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे और उनकी बेटी शारदा खडसे के खिलाफ जमीन धोखाधड़ी और एससी-एसटी एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह FIR जलगांव जिले के बोदवड पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई है। आरोप है कि "महार वतन" श्रेणी की करोड़ों रुपये की जमीन को महज 51 हजार रुपये देकर अपने नाम कराया गया। शिकायत के मुताबिक, पीड़ित परिवार से अंगूठा लगवाकर रजिस्ट्री करवाई गई, लेकिन बाद में न पूरा भुगतान किया गया और न ही वादे पूरे किए गए।

चीनी मिल के नाम पर खरीदी गई जमीन

बताया जा रहा है कि वर्ष 2002 में एकनाथ खडसे ने चीनी मिल स्थापित करने के नाम पर कई जमीनें खरीदी थीं। इनमें गट नंबर 122 की जमीन "महार वतन" की थी, जिसकी मालकिन चमेलाबाई तुकाराम तायडे और उनके वारिस थे। बुजुर्ग महिला चमेलाबाई तायडे ने आरोप लगाया कि उनके साथ धोखाधड़ी कर जमीन को शारदा खडसे के नाम कर दिया गया।

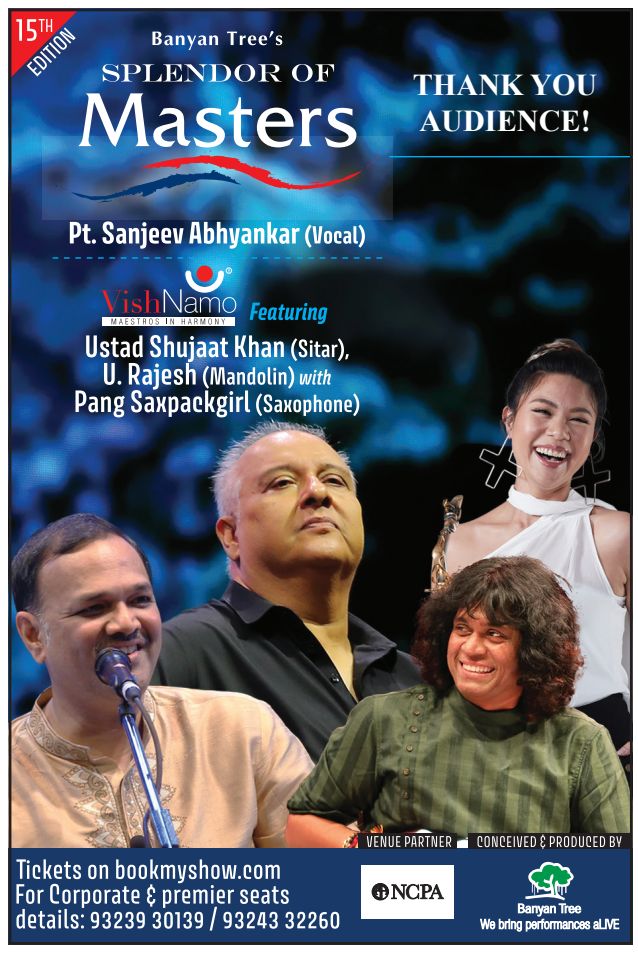

फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट पर सख्ती

डिजिटल सिस्टम लाएगी महाराष्ट्र सरकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाकर सरकारी योजनाओं और नौकरियों का लाभ लेने वालों पर अब सख्ती की तैयारी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सचिव को दिए डिजिटल समाधान के निर्देश

मुख्यमंत्री ने विभाग के सचिव तुकाराम मुंडे को नई डिजिटल प्रणाली विकसित करने का निर्देश दिया है। सूत्रों के अनुसार इस पर काम भी शुरू हो चुका है और इसे जल्द लागू किया जाएगा।

पारदर्शिता और पात्रता सुनिश्चित होगी

नई प्रणाली लागू होने से केवल पात्र दिव्यांगों को ही सरकारी योजनाओं और नौकरियों का लाभ मिल सकेगा। इससे सिस्टम में पारदर्शिता बढ़ेगी और धोखाधड़ी के मामलों में कमी आएगी।

डीजी लॉकर जैसी डिजिटल सेवा होगी शुरू

सरकार अब डीजी लॉकर की तर्ज पर नई डिजिटल प्रणाली शुरू करने जा रही है, जिसमें दिव्यांग प्रमाण पत्र सुरक्षित रखे जाएंगे। इससे दस्तावेजों की सत्यता की जांच आसान होगी और फर्जी प्रमाण पत्रों पर लगाम लगेगी। हाल ही में मुख्यमंत्री ने दिव्यांग कल्याण मंत्री अतुल सावे और अधिकारियों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाने के निर्देश दिए।

सिर्फ पंजीकृत संस्थाओं को ही अनुमति

विभाग ने यह भी तय किया है कि अब केवल पंजीकृत संस्थाएं ही इस क्षेत्र में काम कर सकेंगी। बिना रजिस्ट्रेशन के काम करने वाली संस्थाओं पर रोक लगाई जाएगी।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा

संस्थाओं के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को आसान बनाते हुए इसे ऑनलाइन कर दिया गया है। विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से संस्थाएं आसानी से पंजीकरण करा सकेंगी। सरकार का मानना है कि इन उपायों से फर्जीवाड़े पर प्रभावी रोक लगेगी और वास्तविक जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक योजनाओं का लाभ सही तरीके से पहुंच सकेगा।

घरेलू कामगार की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

48 घंटे में आरोपी तक पहुंची पुलिस
मीरा रोड में हुई थी निर्मम हत्या

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा रोड के एक आवासीय इमारत में घरेलू काम करने वाली महिला सुमन कांबले की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 25 मार्च की शाम करीब 7 बजे सिल्वर पार्क स्थित चंद्रेश अकॉर्ड बिल्डिंग में काम के दौरान उन पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी।

विशाखापत्तनम से दबोचा गया आरोपी

हत्या के बाद फरार हुए आरोपी आशीष मेश्राम को एमबीवीवी क्राइम ब्रांच यूनिट-1 की टीम ने विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन के बाहर एक बस स्टॉप से गिरफ्तार किया। उसे आगे की जांच के लिए मीरा रोड पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस निरीक्षक सुशील शिंदे के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और गोपनीय सूचना के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई। 27 मार्च को उसे धर दबोचा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी आशीष मेश्राम मृतका पर लंबे समय से बुरी नजर रखे हुए था और जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश करता था।

पहले से रची थी साजिश

घटना से 10-15 दिन पहले आरोपी अपने भाई का घर छोड़ चुका था, लेकिन उसके पास फ्लैट की चाबी थी। इसी का फायदा उठाकर उसने वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गया। हत्या के बाद आरोपी मुंबई से पहले हैदराबाद और फिर विशाखापत्तनम भाग गया, जहां वह पहले नौकरी कर चुका था। पुलिस ने वहां दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया। मृतका सुमन कांबले घरों में काम कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती थीं। उनकी हत्या से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सख्त कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं।

कोपरी पूर्व में सड़क पर तेल फैलने से लगा ट्रैफिक जाम

ठाणे। कोपरी पूर्व स्थित बारा बंगला इलाके में सोमवार सुबह सड़क पर अचानक तेल फैलने से यातायात बाधित हो गया, जिससे यात्रियों को कुछ समय के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। जागरूक नागरिक दीपक म्हात्रे द्वारा मनपा आपदा प्रबंधन सेल को सूचना दिए जाने के बाद, ट्रैफिक पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बंगला नंबर 13 के पास फैली तेल की परत पर मिट्टी डाली और सड़क को सुरक्षित बनाया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ और त्वरित कार्रवाई के चलते कुछ ही समय में यातायात व्यवस्था फिर से सामान्य हो गई।

10 साल से घर और किराया नहीं देने वाले डेवलपर पर कार्रवाई की तैयारी

'मकान नहीं तो किराया नहीं'

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

कोपरी स्थित एसआरए प्रोजेक्ट में हो रही देरी और अनियमितताओं को लेकर विधायक संजय केलकर ने सत्र में आवाज उठाई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चार दिनों में कार्रवाई नहीं हुई, तो एसआरए कार्यालय पर मार्च निकाला जाएगा। विधायक केलकर के दबाव के बाद एसआरए विभाग के सीईओ ने संबंधित डेवलपर के खिलाफ कार्रवाई के लिए सहमति जताई है। इससे प्रभावित परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

खराब हालत में रह रहे प्रभावित परिवार

प्रभावित लोगों को फिलहाल किराए की इमारतों में अस्थायी रूप से रखा गया है, जिनकी हालत बेहद खराब बताई जा रही है। अब इन परिवारों को घर खाली करने के नोटिस भी मिल रहे हैं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है। कई परिवारों को बीएसयूपी योजना के तहत घर मिलने थे, लेकिन वर्षों बीतने के बावजूद उन्हें उनका अधिकार नहीं मिल पाया है। इसे लेकर लोगों में गहरी नाराजगी है।

10 साल से न घर, न किराया

कोपरी इलाके में चल रहे इस एसआरए प्रोजेक्ट में पिछले एक दशक से लोगों को उनके हक के घर नहीं मिले हैं। साथ ही डेवलपर पर करीब 5 करोड़ रुपये का किराया बकाया होने का आरोप है। आरोप है कि डेवलपर ने सेल बिल्डिंग में फ्लैट बेचने शुरू कर दिए हैं, जबकि पुनर्वास के हकदार लोगों को उनके घर देने में लगातार टालमटोल की जा रही है।

प्रभावितों की गणना और समाधान पर बैठक जल्द

इस मुद्दे के समाधान के लिए जल्द ही अधिकारियों की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें यह तय किया जाएगा कि कितने परिवार प्रभावित हैं, कितनों को घर मिले हैं और मनपा के पास कितने घर उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में मौजूद आदर्श स्टॉल होल्डर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मनपा द्वारा पुराने स्टॉलधारकों को हॉकर्स घोषित करने के फैसले पर भी आपत्ति जताई। उनका कहना है कि इससे हजारों परिवार बेघर होने के कगार पर आ सकते हैं। खोपट स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित जनसेवक जनसंवाद कार्यक्रम में करीब 700 लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान फाइनेंस कंपनियों की धोखाधड़ी समेत कई अन्य समस्याएं विधायक केलकर के सामने रखी गईं। इस अवसर पर पूर्व उपमहापौर सुभाष काले, अशोक भोईर, दीपक जाधव, सुरेश कांबले, राजेश गाड़े और विशाल वाघ सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

होटल के किचन की चिमनी में आग लगने से हड़कंप, स्थिति नियंत्रण में

ठाणे। लक्ष्मी नगर स्थित लेक-शॉवर मॉल में सोमवार दोपहर करीब 12:25 बजे 'होटल इंडियाना वाटर्स' के किचन की चिमनी में अचानक आग लग गई, जिसकी सूचना समाजसेवक बीनू वर्गीस द्वारा मनपा आपदा प्रबंधन को दी गई। ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर जुपिटर हॉस्पिटल के पास स्थित इस 2-मंजिला इमारत के दूसरे फ्लोर पर हुई इस घटना के बाद तुरंत आपदा प्रबंधन की टीम एक पिकअप गाड़ी के साथ मौके पर पहुंची। राहत की बात यह रही कि मॉल के सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों की मुस्तैदी के चलते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया और इस हादसे में कोई भी घायल नहीं हुआ।

कुख्यात अपराधी 48 घंटे में गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

नौपाड़ा इलाके में 27 मार्च की देर रात एक सनसनीखेज फायरिंग की घटना सामने आई। शिकायतकर्ता इंज़माम अमीरुद्दीन सिद्दीकी (26) नासिक-मुंबई राजमार्ग स्थित धर्मवीर काटा के पास एक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे, तभी आरोपी ने उन पर अवैध रिवॉल्वर से दो गोलियां चला दीं।

पुरानी रंजिश में युवक पर चलाई थी गोली
देसी रिवॉल्वर और चोरी की एक्टिवा बरामद

पुरानी रंजिश बनी हमले की वजह

पुलिस के अनुसार, आरोपी ज़बीउल्लाह शफीकुर रहमान खान पिछले दो महीनों से पीड़ित के पिता से विवाद कर रहा था और धमकियां दे रहा था। इसी रंजिश के चलते उसने जान से मारने की नीयत से हमला किया। घटना के दौरान आरोपी ने पीड़ित की प्रेमिका इंज़ले एल्बिस फर्नांडीस को भी रिवॉल्वर दिखाकर धमकाया और उसकी कार जबरन छीनने का प्रयास किया। इस मामले में नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के साथ शस्त्र अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया और मोबाइल फोन बंद कर लिया। पुलिस के लिए यह चुनौतीपूर्ण मामला था, लेकिन मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 29 मार्च को वागले एस्टेट इलाके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

हथियार और चोरी की गाड़ी बरामद

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल की गई देसी रिवॉल्वर और चोरी की सफेद एक्टिवा मोटरसाइकिल बरामद की, जिससे केस का खुलासा हो गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले से कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या के प्रयास, अवैध हथियार और अन्य अपराध शामिल हैं। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 2 अप्रैल 2026 तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। यह पूरी कार्रवाई सहायक पुलिस आयुक्त संभाजीराव जाधव, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अभय महाजन सहित अन्य अधिकारियों के मार्गदर्शन में जांच अधिकारी मंगेश भांगे और उनकी टीम ने अंजाम दी।

नवी मुंबई महानगरपालिका का 6704 करोड़ का बजट पेश

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 6704 करोड़ 43 लाख रुपये का बजट पेश किया। स्थायी समिति के सभापति अशोक पाटिल ने यह बजट महापौर सुजाता पाटिल को विशेष महासभा में प्रस्तुत किया। इस बजट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि शहरवासियों पर किसी भी प्रकार की कर वृद्धि नहीं की जाएगी।

महानगरपालिका ने स्पष्ट किया है कि बिना अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाले विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

पिछले साल से बड़ा बजट

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 5709 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया था, जिसे संशोधित कर 5830 करोड़ रुपये किया गया। इस बार के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

म्युनिसिपल बॉन्ड से जुटाए जाएंगे 400 करोड़

निधि जुटाने के लिए महानगरपालिका 400 करोड़ रुपये कर्जरोखों (म्युनिसिपल बॉन्ड) के जरिए जुटाएगी। इसके अलावा 100 करोड़ रुपये का कर्ज भी लिया जाएगा और अन्य राजस्व स्रोतों को भी मजबूत करने पर जोर रहेगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष फोकस

शहर के विकास को ध्यान में रखते हुए बजट में बुनियादी ढांचे पर खास ध्यान दिया गया है। नवी मुंबई में उड्डाणपुलों (फ्लाईओवर) का नेटवर्क बढ़ाने की योजना है, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या में सुधार होगा। बजट में स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने के साथ-साथ हरित पट्टों (ग्रीन बेल्ट) में बढ़ोतरी पर भी जोर दिया गया है, जिससे शहर में बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

बांद्रा-पूर्व में 'नाला नंबर 22' का कायाकल्प

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बांद्रा-पूर्व के नौपाडा और घास बाजार क्षेत्र के हजारों निवासियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। करीब पांच दशकों से जलजमाव की समस्या झेल रहे लोगों को अब स्थायी समाधान मिलने जा रहा है। 'नाला नंबर 22' की मरम्मत और नई पाइपलाइन बिछाने के लिए रेलवे प्रशासन ने 3 और 4 अप्रैल को 18 नंबर गेट से गुजरने वाले सर्विस ट्रैक पर विशेष ट्रैफिक ब्लॉक की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी लंबे संघर्ष के बाद मिली है।

70 साल पुराने ड्रेनेज सिस्टम का होगा सुधार

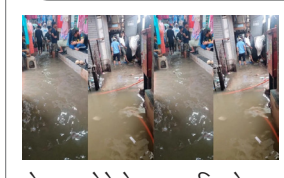

यह नाला बांद्रा-पूर्व के 18 नंबर रेलवे फाटक के पास से शुरू होकर नौपाडा और घास बाजार होते हुए चमड़ावाड़ी नाले तक जाता है। करीब 70 साल पुराने इस ड्रेनेज सिस्टम के जर्जर होने और कचरे से जाम होने के कारण पिछले 50 वर्षों से यहां जलभराव की समस्या बनी हुई है। परियोजना के तहत पुरानी पाइपलाइन हटाकर आधुनिक 'बॉक्स कल्वर्ट' बनाया जाएगा। इससे पानी की निकासी सुचारू होगी और रेलवे ट्रैक के नीचे की मिट्टी खिसकने का खतरा भी खत्म हो जाएगा, जिससे संभावित रेल हादसों पर भी रोक लगेगी। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सांसद वर्षा गायकवाड़ और विधायक वरुण सरदेसाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों ने रेलवे अधिकारियों से लगातार संपर्क बनाए रखा और ब्लॉक की मंजूरी दिलाई।

युद्ध का सीधा असर कृषि बाजार पर

प्याज के दाम धड़ाम, किसानों पर संकट गहराया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नाशिक

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का असर अब भारत के कृषि बाजार में साफ दिखाई देने लगा है। खासकर प्याज की कीमतों में भारी गिरावट ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। वर्तमान में थोक बाजार में प्याज के दाम 800 प्रति क्विंटल के आसपास हैं, जबकि कई मंडियों में यह 300 प्रति क्विंटल तक गिर चुके हैं। महाराष्ट्र के नासिक स्थित प्याज उत्पादक किसान संघ ने इस संकट को देखते हुए राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। संघ ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर स्थिति की गंभीरता बताई है।

1500 से गिरकर 300-800 प्रति क्विंटल तक पहुंचे भाव, सरकार से हस्तक्षेप की मांग

150 से ज्यादा कंटेनर बंदरगाहों पर फंसे

संघ के अनुसार, युद्ध के कारण पिछले चार हफ्तों में 150 से अधिक प्याज से भरे कंटेनर विभिन्न बंदरगाहों पर फंस गए हैं। इससे घरेलू बाजार में आपूर्ति अचानक बढ़ गई, जिससे कीमतों में तेज गिरावट आई। संघ के अध्यक्ष भरत दिघोले के मुताबिक, फरवरी के अंत तक प्याज के दाम 1500 प्रति क्विंटल से ऊपर थे, लेकिन अब यह आधे से भी कम रह गए हैं। जबकि उत्पादन लागत 1000 प्रति क्विंटल से ज्यादा है, ऐसे में किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

MIS लागू करने की मांग तेज

किसानों ने केंद्र सरकार से मार्केट इंटरवेंशन स्कीम (MIS) लागू करने की मांग की है। यह योजना तब लागू होती है जब फसलों के दाम उत्पादन लागत से नीचे चले जाते हैं, ताकि किसानों को न्यूनतम समर्थन मिल सके। पिछले दो वर्षों में निर्यात नीतियों में बदलाव के कारण प्याज का निर्यात 25 लाख टन से घटकर 12 लाख टन रह गया है। इससे किसानों की आय पहले ही प्रभावित हो चुकी थी, और अब युद्ध ने स्थिति और खराब कर दी है।

सरकार सक्रिय, समिति गठित

महाराष्ट्र राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष पाशा पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहे हैं। अधिकारियों के साथ बैठक के बाद एक समिति बनाई गई है, जो जल्द राहत उपाय सुझाएगी। संभावना है कि मुख्यमंत्री जल्द ही केंद्रीय वाणिज्य मंत्री Piyush Goyal से इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे, ताकि निर्यात और बाजार संतुलन के लिए समाधान निकाला जा सके।

पाम बीच रोड हादसा

दो की मौत, 27 दिन बाद भी आरोपी फरार

डेवलपर के बेटों पर नशे में टक्कर मारने का टक्कर, जांच पर उठे सवाल

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

कोपरखैरने निवासी प्रशांत जमदाड़े (23) और हरमन कौर (17) की पाम बीच रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई। 3 मार्च की सुबह सानपाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुए इस हादसे ने दोनों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। पीड़ित परिवारों का आरोप है कि एक बड़े डेवलपर के बेटों ने शराब के नशे में लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए दोनों को टक्कर मारी। उनका कहना है कि आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है, जिससे जांच पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

27 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं

घटना के 27 दिन बीत जाने के बावजूद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। परिवारों का आरोप है कि इस दौरान आरोपियों के खून में अल्कोहल जांच का अहम मौका भी गंवा दिया गया। परिजनों ने पुलिस जांच पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें केस की प्रगति की कोई जानकारी नहीं दी जा रही। उनका आरोप है कि प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री और डीजीपी से हस्तक्षेप की मांग

पीड़ित परिवारों ने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित करने की मांग की है। मृतक प्रशांत अपने परिवार का इकलौता सहारा था, जबकि हरमन अपनी मां की इकलौती बेटी थी। इस हादसे ने दोनों परिवारों को पूरी तरह से तोड़ दिया है।

'मौत का जाल' बनता पाम बीच रोड

परिवारों ने पाम बीच रोड पर लगातार बढ़ते हादसों को लेकर भी चिंता जताई है। अनुमान के मुताबिक इस सड़क पर अब तक 100 से 150 लोगों की मौत और 50 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस रोड पर दुर्घटनाओं की मुख्य वजह अधूरी सर्विस रोड, तेज रफ्तार, ट्रैफिक नियंत्रण में खामियां और बड़े-बड़े होर्डिंग्स हैं, जो ड्राइविंग के दौरान ध्यान भटकाते हैं।

अशोक खरात मामला

अशोक खरात केस में नीलम गोरहे का नाम

▶▶ तृप्ति देसाई ने की जांच की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

नासिक के कथित पाखंडी बाबा अशोक खरात मामले ने महाराष्ट्र की राजनीति में नया मोड़ ले लिया है। इस मामले में अब विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे का नाम भी सामने आने से सियासी हलचल तेज हो गई है।

चुप्पी पर उठाए सवाल

देसाई ने सवाल उठाया कि महिलाओं के अधिकार और सामाजिक मुद्दों पर मुखर रहने वाली नीलम गोरहे इस मामले में चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि यह चुप्पी संदेह को और बढ़ा रही है। तृप्ति देसाई ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा और शोषण के मामलों में आवाज उठाने वाले नेताओं को इस मुद्दे पर भी स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए।

तृप्ति देसाई ने लगाए गंभीर आरोप

भूमाता ब्रिगेड की प्रमुख तृप्ति देसाई ने आरोप लगाया है कि नीलम गोरहे पिछले कुछ वर्षों से अशोक खरात के संपर्क में थीं। उन्होंने मांग की है कि गोरहे और खरात के बीच संबंधों की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

एक्सप्रेस इन होटल में मुलाकात का दावा

देसाई ने दावा किया कि नासिक के एक्सप्रेस इन होटल में नीलम गोरहे और अशोक खरात की मुलाकात हुई थी। उनके अनुसार, विधायक और मंत्री पद की आकांक्षा को लेकर गोरहे कई बार खरात से मिलने गई थीं।

'39 विधायकों में शामिल' होने का आरोप

तृप्ति देसाई ने यह भी कहा कि कुल 39 विधायकों में नीलम गोरहे का नाम भी शामिल है, जो कथित तौर पर खरात से संपर्क में थे। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

शिवतीर्थ पर पार्थ पवार-राज ठाकरे की मुलाकात

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में सोमवार को हलचल उस वक्त बढ़ गई जब राकांपा (अजित) के दिवंगत नेता अजित पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार अचानक शिवतीर्थ पहुंच गए। यहां उन्होंने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद पार्थ पवार बिना मीडिया से बातचीत किए ही वहां से रवाना हो गए। उनकी चुप्पी ने इस बैठक को और ज्यादा रहस्यमय बना दिया है, जिससे राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले राकांपा (शरद) के विधायक रोहित पवार ने भी शिवतीर्थ जाकर राज ठाकरे से मुलाकात की थी। उस बैठक को अजित पवार के विमान हादसे की जांच से जोड़कर देखा गया था।

सूत्रों के अनुसार, पार्थ पवार ने राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद राज ठाकरे से यह मुलाकात की है। यह बैठक राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से अहम मानी जा रही है। फिलहाल पार्थ पवार और राज ठाकरे की इस मुलाकात के पीछे की असली वजह सामने नहीं आई है। हालांकि, इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं।

मुंबई मेट्रो एक्वा लाइन में 'नो सिग्नल' संकट

▶▶ मिलिंद देवड़ा ने MMR-CL को लिखा पत्र, तत्काल समाधान की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने मुंबई मेट्रो की एक्वा लाइन में मोबाइल नेटवर्क और वाई-फाई कनेक्टिविटी की कमी को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने इस संबंध में मुंबई मेट्रो रेल निगम (MMRCL) की प्रबंध निदेशक अश्विनी भिडे को पत्र लिखकर जल्द तकनीकी समाधान लागू करने की मांग की है। देवड़ा ने कहा कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में डिजिटल कनेक्टिविटी का अभाव न केवल असुविधाजनक है, बल्कि इससे शहर की उत्पादकता पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।

कामकाजी पेशेवरों की उत्पादकता प्रभावित

अपने पत्र में देवड़ा ने उल्लेख किया कि मेट्रो के भूमिगत हिस्सों में नेटवर्क पूरी तरह गायब हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुंबई जैसे शहर में, जहां हजारों पेशेवर हर मिनट का उपयोग काम के समन्वय के लिए करते हैं, वहां यात्रा के दौरान 'ऑफलाइन' रहना उनकी कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। सांसद ने चेतावनी दी कि नेटवर्क की अनुपलब्धता केवल असुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरी हो सकती है, खासकर किसी आपात स्थिति में संपर्क न हो पाने की स्थिति में।

टेलीकॉम कंपनियों के साथ समन्वय की अपील

देवड़ा ने कहा कि प्रमुख टेलीकॉम ऑपरेटर अंडरग्राउंड कनेक्टिविटी देने के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके लिए MMRCL से तकनीकी मंजूरी और समन्वय जरूरी है। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर समाधान निकालने की अपील की।

स्टेशनों पर फ्री वाई-फाई देने का सुझाव

उन्होंने सुझाव दिया कि जब तक सुरंगों में मोबाइल नेटवर्क की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों को मुफ्त हाई-स्पीड वाई-फाई उपलब्ध कराया जाए।

मुंबई की वैश्विक छवि से जुड़ा मुद्दा

देवड़ा ने कहा कि मुंबई हमेशा से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और नवाचार में अग्रणी रहा है। ऐसे में एक्वा लाइन जैसी विश्वस्तरीय परियोजना में डिजिटल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना शहर की वैश्विक छवि को और मजबूत करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन इस मुद्दे को प्राथमिकता देगा और यात्रियों को जल्द ही 'नो सिग्नल' की समस्या से राहत मिलेगी।

मोहित कंबोज के कार्यक्रम में आदित्य ठाकरे की मौजूदगी

▶▶ निजी समारोह ने बढ़ाई राजनीतिक अटकलें, राऊत बोले- इसे राजनीति से न जोड़ें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भाजपा नेता मोहित कंबोज की बेटी के जन्मदिन समारोह में शिवसेना (उद्धव) नेता आदित्य ठाकरे की मौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। इस अप्रत्याशित उपस्थिति ने सियासी समीकरणों को लेकर अटकलों का दौर शुरू कर दिया है।

मोहित कंबोज महाविकास आघाडी सरकार के दौरान ठाकरे परिवार और संजय राऊत पर कई गंभीर आरोप लगा चुके हैं। शिवसेना में हुई टूट के पीछे भी उनकी भूमिका को अहम माना जाता रहा है, ऐसे में यह मुलाकात और भी ज्यादा चर्चा का विषय बन गई है।

निमंत्रण पर पहुंचे आदित्य ठाकरे

बताया जा रहा है कि आदित्य ठाकरे कंबोज के निमंत्रण पर इस पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। कार्यक्रम का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गईं।

शिवसेना (उद्धव) सांसद संजय राऊत ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी शुभ अवसर पर निमंत्रण मिलने पर वहां जाना गलत नहीं है। उन्होंने इसे पूरी तरह निजी कार्यक्रम बताते हुए कहा कि इसमें विभिन्न क्षेत्रों के लोग मौजूद थे और आदित्य ठाकरे कुछ समय के लिए ही वहां गए थे। राऊत ने कहा कि महाराष्ट्र की संस्कृति में राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल होना सामान्य बात है। ऐसे आयोजनों को राजनीतिक नजरिए से देखना उचित नहीं है।

आंबेडकर इंटरनेशनल मेमोरियल 2027 तक होगा तैयार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर अन्ना बंसोड़े ने कहा कि मुंबई के इंदु मिल में बन रहे भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के इंटरनेशनल मेमोरियल का काम तेजी से जारी है। सरकार का लक्ष्य है कि यह भव्य स्मारक वर्ष 2027 तक पूरा कर आम लोगों के लिए खोल दिया जाए। दो दिन के दिल्ली दौरे के दौरान बंसोड़े ने गाजियाबाद स्थित प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार की वर्कशॉप का दौरा किया। यहां उन्होंने मेमोरियल के लिए तैयार की जा रही विशाल प्रतिमा के निर्माण कार्य का जायजा लिया और प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

350 फीट ऊंची होगी भव्य प्रतिमा

इंदु मिल परिसर में डॉ. आंबेडकर की लगभग 350 फीट ऊंची प्रतिमा बनाई जा रही है। इसमें से करीब 50 फीट का हिस्सा (बूट और पैंट वाला भाग) तैयार हो चुका है। बाकी हिस्सों को आधुनिक तकनीक की मदद से तेजी से तैयार कर जोड़ा जा रहा है। मूर्ति निर्माण कार्य मूर्तिकार अनिल सुतार के तकनीकी मार्गदर्शन में किया जा रहा है। एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग कर इस प्रोजेक्ट को युद्धस्तर पर पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। बंसोड़े ने बताया कि आवश्यक धातुओं की वैश्विक कीमतों में वृद्धि के कारण प्रोजेक्ट की लागत बढ़ गई है। इससे टेंडर में तय कीमत और मौजूदा खर्च में अंतर पैदा हुआ है। इस बढ़ी हुई लागत को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार से चर्चा की जाएगी। साथ ही एमएमआरडीए के माध्यम से समय पर फंड उपलब्ध कराने के लिए भी सरकार से आग्रह किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र

ई-प्रोक्योरमेंट संशोधन दिनांक: 27.03.2026, टेंडर नोटिस संख्या TRACK MACHINES-TIMS दिनांक 13-02-2026 के संबंध में। टेंडर संख्या (E-Office File No.): W641-22-23-06C (E-434312)। जिसमें टेंडर बंद होने की तिथि एवं समय 31.03.2026 के स्थान पर 17.04.2026 पढ़ा जाए। अन्य सभी नियम एवं शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

VB/ट्रेन सेट के लिए प्राथमिक वर्टिकल डैम्पर

SN: 1 **Tender No:** 85265497, **Tender Title:** VB/ट्रेन सेट के लिए प्राथमिक वर्टिकल डैम्पर, M/s ITT KONI Drg No. OFF 16728 REV-B या ZF Drg No. 401300004470.... के अनुसार होना चाहिए। यह आइटम M/s EC ENGINEERING डैम्पर स्पेसिफिकेशन No MT18Br2 00146605 या नवीनतम संस्करण के अनुसार होना चाहिए। **Qty :** 774 Nos. **Due Date :** 22-APR-2026 **Value:** 11348001. **Tender notice No CWE/MTN/85265497/2026 due on 22-APR-26** 1037

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मुंबई को स्लम-फ्री बनाने का अभियान

▶▶ 300 स्क्वेयर फीट घर का वादा

▶▶ उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'नागरी लोक कल्याण अभियान' की घोषणा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई को पूरी तरह झुग्गी-मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे नागरी लोक कल्याण अभियान' की शुरुआत की है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इसे बालासाहेब ठाकरे के जन्मशताब्दी वर्ष पर उन्हें समर्पित एक विशेष श्रद्धांजलि बताया। इस अभियान के तहत अब छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स की जगह 'स्लम क्लस्टर रिडेवलपमेंट स्कीम' को प्राथमिकता दी जाएगी। 50 एकड़ से अधिक क्षेत्र और 51% से ज्यादा झुग्गी क्षेत्र वाले क्लस्टर्स को इसमें शामिल किया जाएगा, जिससे बड़े पैमाने पर पुनर्विकास संभव हो सके। सरकार ने लाभार्थियों के लिए घर के आकार में बड़ा बदलाव किया है। पहले 180 से 269 वर्ग फुट तक के घर दिए जाते थे, लेकिन अब सभी पात्र परिवारों को 300 वर्ग फुट के फ्लैट दिए जाएंगे। पुराने प्रोजेक्ट्स को भी इसी मानक के अनुसार अपग्रेड किया जाएगा। नई झुग्गियों को बसने से रोकने के लिए 'नेत्रम' (Network for Encroachment Tracking and Reporting for Mumbai) तकनीक लागू की गई है। सैटेलाइट इमेज, जीआईएस मैपिंग और डिजिटल निगरानी के जरिए हर चार महीने में पूरे शहर पर नजर रखी जाएगी और अवैध निर्माण पर तुरंत कार्रवाई होगी।

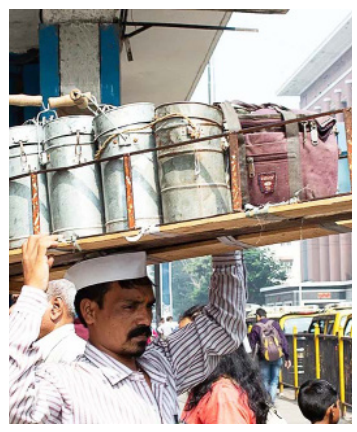

गृहनिर्माण विभाग

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई
जा.क्र. SRA/ARWS/OW/13882/ सन २०२६
सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा. मुंबई दिनांक : ३०.०३.२०२६

-: ऑनलाईन सोडत पध्दतीने सदनिका वाटपाची सुचना :-

(नियोजित) सुगम अँन्ड सिंग एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था, सीटीएस नं. ४१० / सी/१ (पार्ट), ४३५, ४३५/१ ते १४७, ४४१ (पार्ट), ४४३ (पार्ट), ४४३/१ ते ७, ऑफ व्हिलेज ओशिवरा, सिंग हौसिंग कॉलनी, रुबी हॉस्पिटलसमोर, एस. व्ही. रोड आणि राघवेंद्र मंदिर रोड, जोगेश्वरी (प). मुंबई-४००१०२ या पुनर्वसन योजनेमधील पात्र झोपडीधारकांना पुनर्वसन इमारत क्र. २ मधील एकुण ५५ निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने वितरण करणेकामी कार्यकारी अभियंता के/पश्चिम विभाग, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई यांचेकडुन दिनांक २३.०३.२०२६ रोजी प्रस्ताव या कार्यालयास प्राप्त झाला आहे. सदर प्रस्तावासोबत एकुण ५५ पात्र झोपडीधारकांची यादी सादर करुन सदनिका वाटपाची कार्यवाही करणेबाबत या कार्यालयास कळविलेले आहे. तसेच पुनर्वसन इमारत क्र. १ बी विंग व इमारत क्र. २ मधील एकुण ५५ निवासी सदनिकांचे क्रमांक उपलब्ध करुन दिलेले आहेत.

सदर नोटिशीसोबत एकुण ५५ झोपडीधारकांची यादी प्रसिध्द करण्यात येत आहे. सदर यादीतील परिशिष्ट-२ अनु.क्र. २१९ वरील **Bharat Dhiraj Lal Kosambi (Eligible with charges)** निवासी पात्र असल्याने त्यांना वगळण्यात येत आहे. सदर यादीमध्ये काही आक्षेप / हरकत असल्यास या सुचनेच्या तारखेपासुन दिनांक ०६.०४.२०२६ रोजी सायंकाळी ०५.०० वाजेपर्यंत प्राधिकृत अधिकारी, सहकार कक्ष, झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, अनंत काणेकर मार्ग, बांद्रा (पुर्व), मुंबई-४०००५१ यांचेकडे समक्ष उपस्थित राहुन लेखी पुराव्यासह हरकत अर्ज दाखल करावा.

सदरच्या ५४ झोपडीधारकांना निवासी सदनिकांचे वाटप करण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), मुंबई यांचेकडिल दिनांक २५.०३.२०२६ रोजीचे पत्रान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणुन नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्यानुसार संस्थेच्या पुनर्वसन इमारतीमधील **निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने वितरण वार बुधवार दिनांक ०८.०४.२०२६ रोजी सकाळी ११.३० वाजता, स्थळ प्राधिकरणाच्या कार्यालयात ऑनलाईन पध्दतीने झूम ॲप (Zoom App) वर संगणीकृत प्रणालीव्दारे आयोजित** केलेली आहे. सदर वाटपावेळी फक्त पात्र झोपडीधारकांनीच मुळ आधारकार्ड सह झूम ॲपवर उपस्थित राहावे.

-: सभेचा विषय :-

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाकडुन ऑनलाईन झूम ॲप (Zoom App) वर सोडत पध्दतीने पात्र झोपडीधारकांना पुनर्वसन इमारतीमधील ५४ निवासी सदनिकांचे वाटप करणे.

Meeting ID: 810 6046 8460
Passcode: 08042026

सही/-
(महेश नलावडे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी, (श्रेणी-२), झोपुप्रा, मुंबई.

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : ३०.०३.२०२६

टिप : १) सोडतीसाठी पात्र (पती/पत्नी) झोपडीधारकांनीच ऑनलाईन लॉटरीमध्ये विहीत वेळेत व तारखेस सहभागी व्हावेत. २) सोडतीच्या वेळी ज्या झोपडीधारकांचे नाव परिशिष्ट-२ मध्ये पात्र आहेत अशा व्यक्ती अंध, अपंग, विधवा महिला - कुटुंब प्रमुख यांनी पुनर्वसन इमारतीमधील खालच्या मजल्यावरील सदनिकांची प्राधिकरणाच्या sravcmumbai@gmail.com या ईमेल आयडीवर दिनांक ०६.०४.२०२६ पर्यंत लेखी पत्राने मागणी केल्यास परिपत्रकातील तरतुदीनुसार सदनिका वाटप करण्यात येईल. सदर गटातील व्यक्तींनी ईमेल आयडीवर शासनमान्य अंध-अपंग, विधवा याबाबतचा पुरावा दाखला सादर करावा.

मध्य रेलवे द्वारा महाराष्ट्र में 1324 समर स्पेशल ट्रेन / सेवाओं का संचालन

मुंबई से चलनेवाली गाड़ियां

सीएसएमटी मुंबई ⇄ मडगांव ⇄ सीएसएमटी मुंबई
साप्ताहिक विशेष
समर स्पेशल – 18 सेवाएं

गाड़ी क्र.	प्रस्थान	आगमन
01171	सीएसएमटी मुंबई से 00:20 बजे, 16.04.2026 से 11.06.2026 तक (गुरुवार)	मडगांव में 15:15 बजे (उसी दिन)
01172	मडगांव से 16:00 बजे, 16.04.2026 से 11.06.2026 तक (गुरुवार)	सीएसएमटी मुंबई में 03:45 बजे (अगले दिन)

ठहराव: दादर, ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, माणगांव, वीर, खेड, चिपलून, सावर्डा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडावली, विलवडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी, थिविम और करमली.

संयोजन : 1 एसी-2 टियर, 6 एसी-3 टियर, 9 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड्स ब्रेक वैन.

सीएसएमटी मुंबई ⇄ नागपुर ⇄ सीएसएमटी मुंबई
द्वि-साप्ताहिक विशेष
समर स्पेशल – 52 सेवाएं

गाड़ी क्र.	प्रस्थान	आगमन
02141	सीएसएमटी मुंबई से 00:20 बजे, 19.04.2026 से 14.07.2026 तक द्विसाप्ताहिक (रविवार और मंगलवार)	नागपुर में 15:10 बजे (उसी दिन)
02142	नागपुर से 20:00 बजे, 19.04.2026 से 14.07.2026 तक द्विसाप्ताहिक (रविवार और मंगलवार)	सीएसएमटी मुंबई में 13:30 बजे (अगले दिन)

ठहराव: दादर, ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मूर्तिजापुर, बडनेरा, धामणगांव और वर्धा.

संयोजन : 1 एसी-2 टियर, 6 एसी-3 टियर, 9 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी कम गार्ड्स ब्रेक वैन.

लोकमान्य तिलक टर्मिनस ⇄ मडगांव ⇄ लोकमान्य तिलक टर्मिनस
साप्ताहिक विशेष
समर स्पेशल – 18 सेवाएं

गाड़ी क्र.	प्रस्थान	आगमन
01119	लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 00:55 बजे, 17.04.2026 से 12.06.2026 तक साप्ताहिक (शुक्रवार)	मडगांव में 15:15 बजे (उसी दिन)
01120	मडगांव से 05:30 बजे, 17.04.2026 से 12.06.2026 तक साप्ताहिक (शुक्रवार)	लोकमान्य तिलक टर्मिनस में 03:30 बजे (अगले दिन)

ठहराव: ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, माणगांव, वीर, खेड, चिपलून, सावर्डा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडावली, विलवडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी, थिविम और करमली.

संयोजन : 1 फर्स्ट एसी, 3 एसी 2-टियर, 7 एसी 3-टियर, 8 शयनयान श्रेणी और 2 जनरेटर कोच.

लोकमान्य तिलक टर्मिनस ⇄ सोलापुर ⇄ लोकमान्य तिलक टर्मिनस
साप्ताहिक विशेष
समर स्पेशल – 26 सेवाएं

गाड़ी क्र.	प्रस्थान	आगमन
01436	लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 12:50 बजे, 22.04.2026 से 15.07.2026 तक साप्ताहिक (बुधवार)	सोलापुर में 09:15 बजे (अगले दिन)
01435	सोलापुर से 09:20 बजे, 21.04.2026 से 14.07.2026 तक साप्ताहिक (मंगलवार)	लोकमान्य तिलक टर्मिनस में 03:45 बजे (अगले दिन)

ठहराव: ठाणे, पनवेल, पुणे, दौंड, कुर्दूवाडी, बार्शी टाउन, धाराशिव, मुरुड, लातूर, लातूर रोड, उदगीर, भालकी, बीदर, हुमनाबाद, कलबुर्गी, गानगापुर रोड और अक्कलकोट रोड.

संयोजन : 1 एसी-2 टियर, 1 एसी-3 टियर, 11 शयनयान श्रेणी, 5 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड्स ब्रेक वैन.

इन विशेष गाड़ियों के ठहरावों की विस्तृत समय-सारिणी की जानकारी के लिये कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें अथवा एनटीईएस एप डाउनलोड करें.

आरक्षण: गाड़ी क्र. 01171, 01172, 02141, 02142, 01119, 01120, 01436 और 01435 के लिये बुकिंग सभी कम्प्यूटराइज्ड आरक्षण केंद्रों पर और वेबसाइट www.irctc.co.in पर जारी है. अन्य सभी गाड़ियों के लिये बुकिंग्स जारी है और सामान्य शुल्क पर अनारक्षित कोचेस के लिये बुकिंग यूटीएस सिस्टम के जरिए की जा सकती है. यात्रीगण टिकटों की बुकिंग के लिये रेलवन एप भी डाउनलोड कर सकते हैं.

मध्य रेल
www.cr.indianrailways.gov.in

centralrailwayindia   Central_Railway

मुंबई डब्बावाला सेवा 6 दिन बंद

▶▶ 4 अप्रैल तक टिफिन नहीं मिलेगा

▶▶ 135 साल पुरानी सेवा पर अस्थायी ब्रेक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई की पहचान बन चुकी डब्बावाला सेवा सोमवार से अगले छह दिनों (4 अप्रैल तक) के लिए बंद रहेगी। मुंबई डब्बावाला एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष तलेकर ने स्पष्ट किया कि यह हड़ताल नहीं, बल्कि तय वार्षिक अवकाश है।

गांवों और धार्मिक यात्राओं के लिए लौटेंगे कर्मचारी

इस दौरान डब्बावाले अपने-अपने गांवों—पुणे, रायगढ़ और नासिक जिलों के विभिन्न क्षेत्रों—में लौटेंगे। वे 'चैत्र पूर्णिमा' के अवसर पर गांव के मेलों और ग्राम देवताओं की पूजा-अर्चना में भाग लेते हैं। इस अस्थायी बंद से मुंबई के लाखों ऑफिस जाने वाले लोगों पर असर पड़ेगा, जो रोजाना घर का खाना पाने के लिए इस सेवा पर निर्भर रहते हैं। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे इस अवधि के लिए पहले से ही खाने की वैकल्पिक व्यवस्था कर लें, जैसे घर से टिफिन लाना या बाहर से भोजन मंगवाना। डब्बावाला एसोसिएशन ने ग्राहकों से अपील की है कि वे इस अवकाश के दौरान कर्मचारियों की सैलरी न काटें। उन्होंने सालभर लगातार सेवा देने का हवाला देते हुए सहयोग की उम्मीद जताई है।

ईरान संकट पर केंद्र की चुप्पी पर संजय राउत का हमला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मध्य पूर्व में जारी संघर्ष और ईरान पर हो रहे हमलों को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब वैश्विक स्तर पर देश अपना रुख स्पष्ट कर रहे हैं, तब भारत की चुप्पी चिंताजनक है। राउत ने दावा किया कि ईरान पर हो रहे हमलों से उठने वाला जहरीला धुआं भारत तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि हवा के रुख के साथ यह प्रभाव गुजरात, राजस्थान और पंजाब जैसे राज्यों तक फैल सकता है, जिससे पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनियों का जिक्र करते हुए कहा कि इस तरह के युद्ध से निकलने वाली गैसें बेहद खतरनाक होती हैं और इसका असर सीमाओं से परे भी महसूस किया जा सकता है।

संपादकीय

नक्सलवाद का अवसान

भारत के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में 31 मार्च 2026 एक प्रतीकात्मक तारीख बनकर उभर रही है—एक ऐसे दौर के अंत का संकेत, जिसने दशकों तक देश के विकास, लोकतंत्र और सामाजिक संतुलन को चुनौती दी। 'नक्सलबाड़ी' से शुरू हुआ आंदोलन, जो कभी व्यवस्था के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के रूप में उभरा था, अब अपने अंतिम चरण में दिखाई दे रहा है। यह केवल एक सुरक्षा अभियान की सफलता नहीं, बल्कि राज्य की उस समग्र सोच का परिणाम है, जिसने समस्या को बंदूक से नहीं, बल्कि बहु-आयामी दृष्टिकोण से समझने और सुलझाने का प्रयास किया। लंबे समय तक नक्सलवाद को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर उससे निपटने की कोशिशें होती रहीं, लेकिन पिछले एक दशक में रणनीति का जो परिवर्तन देखने को मिला, वही निर्णायक साबित हुआ। 'सुरक्षा-विकास-विश्वास' के त्रिकोणीय मॉडल ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी भी उग्रवाद को केवल सैन्य बल से खत्म नहीं किया जा सकता। जब तक उसके सामाजिक, आर्थिक और वैचारिक आधार को कमजोर नहीं किया जाएगा, तब तक उसका पुनरुत्थान संभव है। यही कारण है कि सड़कों, मोबाइल टावरों, स्कूलों और बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार इस लड़ाई का उतना ही अहम हिस्सा बना, जितना कि सुरक्षा बलों के अभियान। आंकड़े इस बदलाव की कहानी खुद बयान करते हैं। कभी 126 जिलों में फैली समस्या अब सिमटकर मुट्ठी भर क्षेत्रों तक रह गई है। हिंसा की घटनाओं और मौतों में आई भारी गिरावट इस बात का प्रमाण है कि रणनीति सही दिशा में आगे बढ़ी है। लेकिन इन आंकड़ों के पीछे एक और सच्चाई छिपी है—वह है उन हजारों आदिवासियों की पीड़ा, जिन्होंने वर्षों तक इस संघर्ष की कीमत चुकाई। इसलिए यह कहना पर्याप्त नहीं होगा कि नक्सलवाद खत्म हो रहा है; यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जिन कारणों ने इसे जन्म दिया, वे दोबारा सिर न उठाएं। सरकार की पुनर्वास नीति इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण पहलू बनकर सामने आई है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण और समाज में पुनर्स्थापन का अवसर देना केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि विश्वास बहाली की प्रक्रिया है। यह संकेत है कि राज्य अपने भटके हुए नागरिकों को दुश्मन नहीं, बल्कि सुधार योग्य मानता है। यही दृष्टिकोण इस संघर्ष को एक मानवीय आयाम देता है, जो इसे केवल सैन्य जीत से कहीं अधिक व्यापक बनाता है। हालांकि, इस सफलता के बीच आत्मसंतोष की कोई गुंजाइश नहीं है। नक्सलवाद भले ही अपने अंतिम चरण में हो, लेकिन उसके पीछे छिपे असंतोष, असमानता और उपेक्षा के सवाल अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। जिन क्षेत्रों में दशकों तक शासन की उपस्थिति कमजोर रही, वहां लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और स्थानीय समुदायों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करना अब सबसे बड़ी चुनौती है। अगर विकास केवल आंकड़ों तक सीमित रहा और जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया, तो इतिहास खुद को दोहरा सकता है। इस पूरे परिदृश्य में सुरक्षा बलों की भूमिका निस्संदेह सराहनीय रही है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका उन शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की भी है, जिन्होंने जोखिम उठाकर दूरदराज के इलाकों में राज्य की मौजूदगी को महसूस कराया। असली जीत तभी मानी जाएगी, जब इन क्षेत्रों के लोग भय से नहीं, बल्कि अवसरों से जुड़ेंगे। अंततः, 31 मार्च 2026 को अगर नक्सलवाद के अंत की औपचारिक घोषणा होती भी है, तो उसे एक अंतिम उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत के रूप में देखना होगा।

युद्ध और भारत : कूटनीतिक संतुलन या रणनीतिक विवशता?

अमित ब्रिज
कार्यकारी संपादक

चीन की नजर इस बात पर है कि अमेरिका इस युद्ध में कितना थकता है। वह ईरान को तकनीक और खुफिया जानकारी तो दे रहा है, लेकिन पर्दे के पीछे से। चीन का लक्ष्य स्पष्ट है—पश्चिम एशिया में अमेरिकी प्रभाव को कम करना और 'ग्लोबल साउथ' का निर्विवाद नेता बनना। यदि अमेरिका इस युद्ध में बुरी तरह फंसता है, तो चीन के लिए ताइवान जैसे मुद्दों पर आक्रामक होने का मार्ग और भी प्रशस्त हो जाएगा।

2026 की शुरुआत के साथ ही पश्चिम एशिया में छिड़ी जंग ने दुनिया को एक ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिसकी कल्पना शीतयुद्ध के बाद कभी नहीं की गई थी। ईरान के परमाणु ठिकानों पर इज़रायल और अमेरिका के भीषण हमलों और उसके जवाब में हॉर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की चूलें हिला दी हैं। इस महायुद्ध के बीच जहाँ पाकिस्तान एक 'सरप्राइज' मध्यस्थ के रूप में उभर रहा है और चीन एक शांत महाशक्ति की तरह अपनी बिसात बिछा रहा है, वहीं भारत खुद को एक जटिल और दोहरी चुनौती वाले चौराहे पर खड़ा पाता है। भारत के लिए यह युद्ध सबसे पहले एक आर्थिक सुनामी की तरह आया है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 85% आयात करता है, जिसका आधा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुँच चुका है। भारतीय रुपया 92 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर को छू रहा है। 'दोपहर' के पाठकों के लिए यह समझना जरूरी है कि यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है; यह भारत के हर घर की रसोई और परिवहन लागत से जुड़ा मुद्दा है। सरकार के पास विदेशी मुद्रा भंडार तो पर्याप्त है, लेकिन यदि यह युद्ध खिंचता है, तो मुद्रास्फीति (महंगाई) को रोकना भारत के लिए सबसे बड़ी आंतरिक चुनौती होगी। इस युद्ध का सबसे चौंकाने वाला पहलू पाकिस्तान का उभरता हुआ किरदार है। पारंपरिक रूप से ओमान और कतर जैसे देश अमेरिका और ईरान के बीच पुल का काम करते थे, लेकिन युद्ध की आग उनके करीब पहुँचने से वे पीछे हट गए हैं। ऐसे में इस्लामाबाद ने खुद को एक 'तटस्थ' मंच के रूप में पेश किया है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख और सरकार ने सीधे डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन और तेहरान के बीच संदेशों का आदान-प्रदान शुरू किया है। यदि पाकिस्तान इस युद्ध को रुकवाने या किसी 'सीजफायर' समझौते (जैसे कि चर्चित 15-सूत्रीय शांति योजना) को अमली जामा पहनाने में सफल रहता है, तो वैश्विक राजनीति में उसका कद अचानक बढ़ जाएगा। यह भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है, क्योंकि इससे पाकिस्तान को अमेरिका से फिर से सैन्य और आर्थिक मदद मिलने का रास्ता साफ हो सकता है। जहाँ अमेरिका और उसके सहयोगी युद्ध में सीधे तौर पर उलझे हुए हैं, वहीं चीन ने 'रणनीतिक तटस्थता' की चादर ओढ़ रखी है। चीन ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, फिर भी वह प्रत्यक्ष सैन्य भागीदारी से बच रहा है। इसके बजाय, बीजिंग खुद को एक 'शांतिदूत' और 'स्थिरता लाने वाली शक्ति' के रूप में प्रचारित कर रहा है। चीन की नजर इस बात पर है कि अमेरिका इस युद्ध में कितना थकता है। वह ईरान को तकनीक और खुफिया जानकारी तो दे रहा है, लेकिन पर्दे के पीछे से। चीन का लक्ष्य स्पष्ट है—पश्चिम एशिया में अमेरिकी प्रभाव को कम करना और 'ग्लोबल साउथ' का निर्विवाद नेता बनना। यदि अमेरिका इस युद्ध में बुरी तरह फंसता है, तो चीन के लिए ताइवान जैसे मुद्दों पर आक्रामक होने का मार्ग और भी प्रशस्त हो जाएगा। भारत की स्थिति इस समय 'तलवार की धार' पर चलने जैसी है। भारत ने अमेरिकी ठिकानों पर हमलों की निंदा तो की है, लेकिन ईरान का नाम लेने से बच रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खाड़ी देशों के नेताओं और इज़रायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से लगातार बातचीत की है, लेकिन भारत ने अब तक किसी भी पक्ष का स्पष्ट समर्थन नहीं किया है।

भारत की रणनीति के तीन मुख्य स्तंभ दिख रहे हैं:

रणनीतिक स्वायत्तता: भारत न तो अमेरिका के 'बोर्ड ऑफ पीस' का हिस्सा बना है और न ही उसने ईरान के खिलाफ किसी सैन्य गठबंधन में शामिल होने की रुचि दिखाई है।

मानवीय नेतृत्व: भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ इस क्षेत्र में रह रहे लाखों भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है।

वैकल्पिक मार्ग: हॉर्मुज के बंद होने के बाद भारत रूस और मध्य एशिया के जरिए नए ऊर्जा गलियारों की तलाश में तेजी ला रहा है।

भारत इस समय 'प्रतीक्षा करो और देखो' की नीति अपना रहा है। पाकिस्तान की मध्यस्थता और चीन की बढ़ती महाशक्ति वाली छवि भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बिगाड़ सकती है। भारत की असली चुनौती यह है कि वह कैसे अपने पुराने मित्र ईरान और रणनीतिक साझेदार इज़रायल व अमेरिका के बीच संतुलन बनाए रखे, जबकि उसकी अर्थव्यवस्था महंगाई की आग में झुलस रही है। आने वाले हफ्तों में यदि भारत अपनी 'सॉफ्ट पावर' और 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' की भूमिका का सही इस्तेमाल नहीं करता, तो चीन और पाकिस्तान इस खाली स्थान को भरने के लिए तैयार बैठे हैं। भारत को केवल एक शांति की अपील करने वाले देश से बढ़कर एक सक्रिय रणनीतिकार की भूमिका निभानी होगी, अन्यथा इस युद्ध के बाद की नई विश्व व्यवस्था में भारत को अपनी जगह बनाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा।

हमारी गीता

अर्जुन का प्रश्न

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

अर्जुन का प्रश्न यह नहीं है कि युद्ध करूं या न करूं। अर्जुन को हारने का भय भी नहीं है, क्योंकि वह बार-बार कहता है— "इन्हें मारकर मैं राज्य लेकर क्या करूं?" उसे तो श्रेय चाहिए, जो परम पुरुषार्थ है। शुद्ध अंतःकरण में उत्पन्न हुआ यह प्रश्न है।

अर्जुन लड़ाई से परावृत्त हो रहा था, वह डरपोक था इसलिए नहीं; क्योंकि अभी तक उसने सैकड़ों बार आक्रमण किए थे और उनमें प्रत्येक बार विजय प्राप्त की थी। रणांगण में अठारह अक्षौहिणी सेना (एक अक्षौहिणी का अर्थ— 21870 रथ, उतने ही हाथी, उसके तीन गुना घुड़सवार और पांच गुना पैदल सेना) खड़ी थी। यह संपूर्ण सेना निर्भय होकर युद्ध के लिए तैयार थी। यह कल्पना भी उचित नहीं कि ये सैनिक अर्जुन से अधिक योग्य थे। श्रीकृष्ण भगवान ने भी उसे डांटा-फटकारा। "क्लैब्य" और "कश्मल" जैसे हीन शब्दों का प्रयोग किया, परंतु श्रीकृष्ण के ये वचन भी उस समय निष्फल रहे।

अर्जुन की मनस्थिति और उसके प्रश्न पर गहराई से विचार करने पर स्पष्ट होता है कि यह केवल वीरवृत्ति के स्थान पर अहिंसा वृत्ति का आ जाना नहीं है। ऐसा भी नहीं है कि उसकी वीरता नष्ट हो गई है। वास्तव में, अत्यंत मोहासक्ति के कारण उसकी कर्तव्यनिष्ठा पर जैसे ग्रहण लग गया। उसका कर्तव्य ढक गया और वह अपनी कर्तव्यच्युति को भी सुंदर बनाने का प्रयास करने लगा। एक उदाहरण देखिए— एक न्यायाधीश था। उसने सैकड़ों अपराधियों को दंड दिया था, यहां तक कि फांसी भी दी थी। परंतु एक दिन उसका अपना पुत्र ही कटघरे में अपराधी बनकर खड़ा हुआ। तब वही न्यायाधीश कहने लगा— "फांसी देना अमानुष है। किसी मनुष्य को यह दंड देना शोभा नहीं देता। उसे सुधारने का अवसर मिलना चाहिए।" यदि उसे यह ज्ञात न होता कि अपराधी उसका पुत्र है, तो वह कब का फांसी का निर्णय सुना चुका होता। ममत्व के कारण पद और कर्तव्य दोनों पर पर्दा पड़ जाता है। अर्जुन का विचार पूर्णतः गलत नहीं है, परंतु वह तत्त्वज्ञान नहीं है; वह उसके मन का बुद्धिवाद है, मोहासक्ति है।

शख्सियत

ए. एस. किरण कुमार

अंतरिक्ष विज्ञान के शिल्पी

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास में जब भी मंगलयान और चंद्रयान जैसी युगांतरकारी सफलताओं का जिक्र होगा, अलुर सीलिन किरण कुमार का नाम प्रमुखता से लिया जाएगा। 31 मार्च 1952 को कर्नाटक के हासन में जन्मे किरण कुमार ने न केवल भारत को अंतरिक्ष की महाशक्ति बनाने में भूमिका निभाई, बल्कि स्वदेशी तकनीक के दम पर दुनिया को हैरान भी किया।

ए. एस. किरण कुमार के जीवन की यात्रा विज्ञान के प्रति अटूट समर्पण की कहानी है। उन्होंने नेशनल कॉलेज, बैंगलोर से भौतिकी में स्नातक किया और उसके बाद बैंगलोर विश्वविद्यालय से परमाणु भौतिकी में मास्टर डिग्री प्राप्त की। उनकी तकनीकी विशेषज्ञता तब और निखर कर आई जब उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) से फिजिकल इंजीनियरिंग में एम.टेक पूरा किया।

वर्ष 1975 में उन्होंने इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC) में कदम रखा। किरण कुमार का इसरो में सफर लगभग चार दशकों का रहा। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत भास्कर टीवी पेलोड से की थी। धीरे-धीरे वे भारत के सुदूर संवेदन (Remote Sensing) और संचार उपग्रहों के डिजाइन और विकास के मुख्य वास्तुकार बन गए। 2012 में वे अहमदाबाद स्थित अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक बने और 2015 से 2018 तक उन्होंने इसरो के अध्यक्ष के रूप के रूप में अपनी सेवाएँ दीं।

किरण कुमार के नेतृत्व की सबसे बड़ी परीक्षा मंगलयान अभियान के दौरान हुई। वे उन प्रमुख वैज्ञानिकों में से थे जिन्होंने मंगलयान के पेलोड और इमेजिंग उपकरणों को डिजाइन किया। भारत का पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुँचना और वह भी सबसे कम लागत में, किरण कुमार की दूरदर्शिता का ही परिणाम था। इसके अतिरिक्त, चंद्रयान-1 अभियान में उनके द्वारा विकसित पेलोड ने ही चंद्रमा पर पानी के अणुओं की खोज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके कार्यकाल के दौरान ही भारत ने एक ही रॉकेट से 104 उपग्रह अंतरिक्ष में भेजकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया।

किरण कुमार ने 'अर्थ ऑब्जर्वेशन' के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाया। उनके द्वारा विकसित 'ओशनसैट' और 'रिसोर्ससैट' जैसे उपग्रहों ने भारत में कृषि, मौसम पूर्वानुमान और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में क्रांति ला दी। विज्ञान के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 2014 में पद्म श्री से सम्मानित किया। इसके अलावा उन्हें इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ एस्ट्रोनॉटिक्स का 'लॉरल्स ऑफ टीम अचीवमेंट' पुरस्कार भी मिल चुका है।

ए. एस. किरण कुमार वर्तमान में जीवित हैं और 73 वर्ष की आयु में भी भारतीय अंतरिक्ष नीतियों और वैज्ञानिक अनुसंधानों में अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन दे रहे हैं। अक्सर महान हस्तियों के लेखों में निधन का संदर्भ खोजा जाता है, परंतु किरण कुमार उन जीवित किंवदंतियों में से हैं जो आज भी नई पीढ़ी के वैज्ञानिकों को प्रेरित कर रहे हैं। वे इसरो परिषद के सदस्य के रूप में और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से सक्रिय रूप से देश सेवा में लगे हुए हैं। उनकी विनम्रता और कार्य के प्रति निष्ठा उन्हें एक असाधारण व्यक्तित्व बनाती है। उन्होंने सिखाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि संकल्प दृढ़ हो, तो सितारे भी दूर नहीं हैं।

जीवन ऊर्जा

आनंदी गोपाल जोशी का जन्म 31 मार्च 1865 को हुआ था। वे भारत की पहली महिला डॉक्टर हैं| उन्होंने उस दौर में डॉक्टरी की डिग्री हासिल की जब महिलाओं की शिक्षा पर कड़े सामाजिक प्रतिबंध थे। भारी विरोध और खराब स्वास्थ्य के बावजूद, उन्होंने अमेरिका जाकर चिकित्सा की पढ़ाई पूरी की। उनका जीवन महिला सशक्तिकरण और दृढ़ संकल्प का अद्वितीय प्रतीक है।

आनंदी गोपाल जोशी : जन्म : 31 मार्च 1865

जन्म

सेवा में ही सच्ची संतुष्टि है

शिक्षा ही स्वतंत्रता का मार्ग है। नारी को ज्ञान से सशक्त होना चाहिए। कठिनाइयाँ ही हमें मजबूत बनाती हैं। साहस से ही परिवर्तन संभव है। समाज की सोच बदली जा सकती है। आत्मविश्वास सबसे बड़ी शक्ति है। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं। नारी किसी से कम नहीं। सपनों को सच करने का साहस रखें। विपरीत परिस्थितियां अवसर बन सकती हैं। दृढ़ निश्चय से सब संभव है। सीखना कभी बंद न करें। आत्मनिर्भर बनना आवश्यक है। सेवा ही सच्चा धर्म है। बदलाव स्वयं से शुरू होता है। असंभव कुछ भी नहीं। संघर्ष ही

सफलता की सीढ़ी है। ज्ञान सबसे बड़ा धन है। अपने उद्देश्य पर अडिग रहें। नारी शिक्षा समाज का आधार है। धैर्य सफलता की कुंजी है। अपने अधिकार पहचानें। समाज सुधार में योगदान दें। आत्मसम्मान बनाए रखें। आगे बढ़ने से न डरें। अनुभव से सीखें। लक्ष्य स्पष्ट रखें। हर दिन नया अवसर है। अपने सपनों पर विश्वास करें। कर्म ही पहचान बनाता है।

सच्ची लगन सफलता दिलाती है। चुनौतियों का सामना करें। नारी शक्ति असीम है। सकारात्मक सोच रखें। जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाएं। शिक्षा से ही सम्मान मिलता है। संकल्प से सफलता मिलती है। अपने भीतर की शक्ति पहचानें। सेवा में ही सच्ची संतुष्टि है। और निरंतर प्रयास ही विजय दिलाता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

भगवान के मत्स्य अवतार की कथा

भारतीय संस्कृति में भगवान विष्णु के अवतारों का विशेष महत्व है। इन अवतारों में मत्स्य अवतार को प्रथम माना गया है, जो केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि ज्ञान, संरक्षण और दूरदृष्टि का गहरा संदेश देता है।

कथा के अनुसार कल्पांत से पूर्व एक पुण्यात्मा राजा राजा सत्यव्रत कृतमाला नदी में स्नान कर रहे थे। जब वे तर्पण के लिए अंजलि में जल ले रहे थे, तभी एक छोटी-सी मछली उनके हाथ में आ गई।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

मछली ने विनम्र स्वर में कहा कि बड़े जीव उसे खा सकते हैं, अतः उसकी रक्षा की जाए। राजा के हृदय में करुणा जाग उठी और उन्होंने मछली को अपने कमंडलु में रख लिया।

लेकिन आश्चर्य! वह छोटी-सी मछली एक ही रात में इतनी बड़ी हो गई कि कमंडलु छोटा पड़ गया। राजा ने उसे मटके में रखा, फिर सरोवर में, नदी में और अंततः समुद्र में छोड़ दिया। परंतु मछली का आकार लगातार बढ़ता गया। तब राजा को एहसास हुआ कि यह कोई साधारण जीव नहीं है। उन्होंने पूछा—"आप कौन हैं?"

तब मछली ने अपना दिव्य रूप प्रकट किया और बताया कि वह स्वयं भगवान विष्णु हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही पृथ्वी पर प्रलय आने वाला है, जिसमें सब कुछ जलमग्न हो जाएगा। उन्होंने राजा को आदेश दिया कि वे एक नाव में सप्तऋषियों, समस्त जीवों के बीज और आवश्यक वस्तुओं को लेकर तैयार रहें।

निर्धारित समय पर प्रलय आया। समुद्र उफान पर था, वर्षा से धरती जल में डूब गई। तभी एक विशाल

नाव प्रकट हुई। राजा सत्यव्रत सप्तऋषियों के साथ उसमें बैठ गए। उसी समय भगवान विष्णु मत्स्य रूप में प्रकट हुए और अपनी सींग से नाव को बांधकर उसे सुरक्षित मार्ग पर ले जाने लगे। इस दौरान उन्होंने राजा को आत्मज्ञान भी दिया, जिससे सत्यव्रत जीवनमुक्त हो गए। एक अन्य मान्यता के अनुसार, प्रलय के समय हयग्रीव नामक दैत्य ने वेदों को चुरा लिया था, जिससे संसार में अज्ञान फैल गया। तब भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप धारण कर हयग्रीव का वध किया और वेदों को पुनः प्राप्त कर ब्रह्मा को सौंप दिया। इस प्रकार ज्ञान की पुनः स्थापना हुई और सृष्टि का पुनर्निर्माण संभव हो सका।

यह कथा हमें सिखाती है कि करुणा, विश्वास और सजगता से ही संकटों का सामना किया जा सकता है। एक छोटी-सी मछली के प्रति दया दिखाने वाले सत्यव्रत को स्वयं भगवान का सान्निध्य मिला। साथ ही यह भी संदेश मिलता है कि जब-जब ज्ञान और धर्म संकट में पड़ते हैं, तब ईश्वर किसी न किसी रूप में उनकी रक्षा अवश्य करते हैं।

मत्स्य अवतार की यह कथा आज भी हमें प्रेरित करती है कि हम जीवन में आने वाले परिवर्तनों और संकटों के लिए तैयार रहें, ज्ञान को संजोए रखें और हर छोटे जीव के प्रति दया का भाव रखें—क्योंकि कभी-कभी वही छोटा-सा अवसर हमारे जीवन का सबसे बड़ा परिवर्तन बन जाता है।

अपने विचार

पीएम मोदी सबरीमाला की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं. मंदिर की पवित्रता और संपत्तियों के साथ खिलवाड़ किया गया है. धर्म की राजनीति करने वाली बीजेपी इस गंभीर मुद्दे पर केरल सरकार के खिलाफ चुप क्यों है!

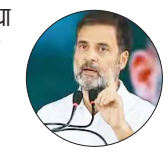

-राहुल गांधी
नेता विपक्ष

नीतीश कुमार के काम करने का तरीका अलग है। वे विरोधियों को सम्मान करते हैं और उनकी सुविधाओं का भी खयाल रखते हैं और सहायता करते हैं। सदन में एक अभिभावक की भांति डांटना, पुचकारना और मंत्री जब जवाब में फंस जाए तो उनको बेल आउट करना, ये सभी गुण नीतीश कुमार में हैं।

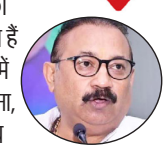

-अशोक चौधरी
मंत्री, बिहार

इस शहर को अपशगुन मान लिया गया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि किस तरह उन्हें भी नोएडा जाने से रोकने की कोशिश की गई और उन्होंने इसे अस्वीकार करते हुए चार लाख घर खरीददारों को उनका हक दिलवाया। उनसे कहा गया था कि नोएडा जाने पर कुर्सी चली जाती है तो उन्होंने कहा कि इसे एक दिन जाना ही है तो मोह में क्यों पड़ना?

- योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

अगर इस मामले का खुलासा हुआ तो सरकार पर बड़ा असर पड़ सकता है। स्वयंभू बाबा अशोक खरात को बड़े लोगों को बचाने के लिए बलि का बकरा बनाया जा सकता है। सबूतों को नष्ट करने की कोशिश हो सकती है और खरात को नुकसान पहुंचने का खतरा भी है, जिससे 'एपस्टीन जैसा मामला' सामने आ सकता है।

-विजय वडेट्टीवार
नेता, कांग्रेस

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

मुंबई में कांग्रेस का महंगाई विरोधी धरना

मुंबई। दक्षिण मध्य मुंबई जिले की कांग्रेस ने खासदार प्रा. वर्षाताई एकनाथ गायकवाड के मार्गदर्शन में सायन-कोळीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में महंगाई के खिलाफ धरना आयोजित किया। यह प्रदर्शन सोमवार, 30 मार्च 2026 को कोकरी आगार, म्हाडा कॉलनी, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर नगर, मुंबई 37 में हुआ। आंदोलन का मुख्य कारण केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के चलते घरेलू एलपीजी गैस की कमी और जनता की बढ़ती मुश्किलें थीं। धरने में माननीय नगरसेविका ललिता कचरू यादव, अनिता पाटोले, शंकर म्हात्रे, रहीम भाई, ब्लॉक अध्यक्ष प्रविण रास्ते, रामनारायण आग्रहरी और वॉर्ड 175 के कांग्रेस परिवार के सदस्य उपस्थित थे। जिला अध्यक्ष कचरू यादव ने कहा कि यह आंदोलन महंगाई के खिलाफ जनता की आवाज उठाने और उनके अधिकारों की रक्षा का प्रतीक है।

महाराष्ट्र शिक्षा बोर्ड का नया शैक्षणिक कैलेंडर, 15 जून से आगाज़

मुंबई। महाराष्ट्र शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए नया कैलेंडर जारी कर दिया है, जिसके अनुसार राज्य के सभी प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में नया सत्र 15 जून से शुरू होगा। प्राथमिक शिक्षा निदेशक शरद गोसावी द्वारा जारी इस अधिसूचना का मुख्य उद्देश्य पूरे राज्य की शालाओं में छुट्टियों और सत्र की समय-सारणी में एकरूपता लाना है। नए नियमों के तहत गर्मी की छुट्टियां 2 मई से 14 जून तक निर्धारित की गई हैं। हालांकि, विभाग ने स्पष्ट किया है कि अन्य बोर्ड के स्कूल जो अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चल रहे हैं, वे अपने स्तर पर निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं। जून माह में विदर्भ और मराठवाड़ा जैसे क्षेत्रों में पड़ने वाली भीषण गर्मी को देखते हुए बोर्ड ने शुरुआती दिनों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 15 जून से 29 जून तक सभी स्कूल सुबह के सत्र में संचालित होंगे, जिनका समय सुबह 7:00 बजे से 11:45 बजे तक रहेगा, जिसके बाद 30 जून से नियमित समय सारिणी लागू होगी। गौरतलब है कि विदर्भ के कई हिस्सों में अभिभावक और छात्र गर्मी के कारण सत्र को जुलाई से शुरू करने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते बोर्ड के इस निर्णय पर कुछ क्षेत्रों में असंतोष भी देखा जा रहा है। प्रशासन का मानना है कि सुबह के सत्र का विकल्प छात्रों को गर्मी से राहत देने और शैक्षणिक निरंतरता बनाए रखने के बीच एक संतुलन प्रदान करेगा।

म्हाडा मुंबई बोर्ड ने जारी की 2,640 फ्लैट्स की लॉटरी

दीपक पवार । मुंबई

अपना घर खरीदने का सपना देख रहे नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण यानी म्हाडा (MHADA) के मुंबई बोर्ड ने सोमवार से आवासीय इकाइयों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। म्हाडा के उपाध्यक्ष और सीईओ संजीव जायसवाल ने दोपहर 3:00 बजे एक औपचारिक समारोह के साथ इस पंजीकरण प्रक्रिया का शुभारंभ किया।

मुंबई के इन प्रमुख इलाकों में हैं घर

म्हाडा के ये फ्लैट मुंबई के विभिन्न रणनीतिक स्थानों पर स्थित हैं, जिनमें विक्रोली (कन्नमवार नगर), गोरेगांव (पत्रा चॉल और पहाड़ी), बोरीवली (पुराना मागाठाणे और गोराई), चेंबूर (सुभाष नगर), बांद्रा (गांधी नगर), घाटकोपर (पंत नगर) और दादर (लोकमान्य नगर) शामिल हैं। इसके अलावा गिरगांव, वडाला, पवई (कोपरी और तुंगा), मझगांव और एंटॉप हिल जैसे क्षेत्रों में भी घर उपलब्ध हैं।

महत्वपूर्ण तिथियां और समय सीमा

आवास योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदकों को निर्धारित समय सारिणी का पालन करना अनिवार्य है, जिसकी शुरुआत 29 अप्रैल, 2026 को ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि के साथ होगी। इसके पश्चात, 30 अप्रैल तक बयाना राशि (EMD) जमा की जा सकती है, जिसके आधार पर 5 मई को अस्थायी सूची प्रकाशित की जाएगी और 8 मई तक किसी भी दावे या आपत्ति को दर्ज करने का अवसर दिया जाएगा। प्रक्रिया के अंतिम चरण में 12 मई को पात्र आवेदकों की अंतिम सूची जारी की जाएगी, जिसके बाद 15 मई, 2026 को सुबह 11:00 बजे लॉटरी ड्रा के माध्यम से परिणामों की घोषणा की जाएगी।

आय वर्ग के अनुसार घरों का आवंटन

इस आवास लॉटरी के अंतर्गत समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कुल 2,640 फ्लैट्स का आवंटन किया गया है, जिसमें मध्यम आय वर्ग (MIG) के लिए सर्वाधिक 1,408 फ्लैट आरक्षित हैं। इसके बाद निम्न आय वर्ग (LIG) के लिए 858 फ्लैट, उच्च आय वर्ग (HIG) के लिए 229 फ्लैट और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए 145 फ्लैट निर्धारित किए गए हैं, ताकि सभी आर्थिक स्तर के परिवारों को आवास का उचित अवसर मिल सके।

बरी होने से पूरी सैलरी का हक नहीं: कोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बीएमसी के मेडिकल ऑफिसर से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि किसी केस में बरी हो जाने मात्र से कर्मचारी को स्वतः पूर्ण वेतन पाने का अधिकार नहीं मिल जाता। अदालत ने डॉ. लालचंद जुमानी की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति यस एक मोडक और न्यायमूर्ति संदीप की पीठ ने कहा कि बरी होना और पूरी सैलरी मिलना अलग-अलग मुद्दे हैं। यह संबंधित प्राधिकरण पर निर्भर करेगा कि परिस्थितियों के अनुसार पूरा वेतन दिया जाए या नहीं।

निलंबन के लिए बीएमसी जिम्मेदार नहीं

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता पर केस एसीबी द्वारा दर्ज किया गया था, न कि बीएमसी द्वारा। इसलिए निलंबन की जिम्मेदारी बीएमसी पर नहीं डाली जा सकती। पीठ ने यह भी उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता दो बार भ्रष्टाचार मामलों में फंसे थे। हालांकि वे दोनों मामलों में बरी हो गए, लेकिन उनके आचरण के कारण निलंबन हुआ था। अदालत ने बताया कि 29 नवंबर 1986 से 9 मई 1990 तक की निलंबन अवधि को पहले ही विभिन्न प्रकार की छुट्टियों में परिवर्तित किया जा चुका है।

पहला 'गति शक्ति कार्गो टर्मिनल' शुरू

8 महीनों में तैयार ग्रीनफील्ड टर्मिनल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने 30 मार्च 2026 को मुंबई सेंट्रल मंडल के अंतर्गत गंगाधरा में अपने पहले ग्रीनफील्ड 'गति शक्ति कार्गो टर्मिनल' (GCT) का सफल शुभारंभ किया। इस टर्मिनल का उद्घाटन महाप्रबंधक प्रदीप कुमार ने किया और पहली कंटेनर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर संचालन की शुरुआत की। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इस अत्याधुनिक टर्मिनल का निर्माण मेसर्स प्रिस्टीन कनेरिया लॉजिस्टिक्स पार्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मात्र 8 महीनों में पूरा किया गया है। इसे भारतीय रेलवे का सबसे तेजी से विकसित गति शक्ति कार्गो टर्मिनल माना जा रहा है।

44,000 वर्ग मीटर में फैला आधुनिक टर्मिनल

यह टर्मिनल लगभग 44,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और पूरी तरह रेलवे भूमि पर विकसित किया गया है। यह सूरत के औद्योगिक क्षेत्र की बढ़ती लॉजिस्टिक्स जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस कार्गो टर्मिनल पर स्टील, वस्त्र, सीमेंट, फ्लाई ऐश, रसायन और उर्वरक जैसे विभिन्न प्रकार के माल की हैंडलिंग की जाएगी। इससे माल ढुलाई क्षमता में बढ़ोतरी होगी और ग्राहकों को तेज व कुशल सेवाएं मिलेंगी।

रेल परिवहन को मिलेगा बढ़ावा

टर्मिनल के संचालन से सड़क परिवहन की तुलना में रेल के जरिए माल ढुलाई को बढ़ावा मिलेगा। इससे सड़क यातायात का दबाव कम होगा और लॉजिस्टिक्स लागत में भी कमी आएगी। रेल आधारित माल परिवहन से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल हरित और सतत विकास की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। तेज टर्नअराउंड टाइम और मालगाड़ियों की सुचारु आवाजाही से रेलवे की परिचालन क्षमता में सुधार होगा। इसका लाभ माल और यात्री दोनों सेवाओं को मिलेगा।

पालघर में बनेगी अंतरराष्ट्रीय कृषि मंडी

जयकुमार रावल का बड़ा ऐलान

डीबीडी संवाददाता । पालघर/मुंबई

प्रदेश के विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने घोषणा की है कि पालघर के वाढवण पोर्ट परिसर में करीब 1200 एकड़ क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक कृषि उपज बाजार समिति (कृषि मंडी) विकसित की जाएगी। इस प्रस्तावित कृषि मंडी को बंदरगाह, सड़क, रेलवे और हवाई अड्डे से जोड़ा जाएगा। इससे महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश के कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी और यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र के रूप में उभरेगा।

किसानों को बनना होगा उद्यमी

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे केवल उत्पादक ही नहीं, बल्कि उद्यमी के रूप में भी आगे आएं। मार्केटिंग, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बिक्री में सक्रिय भागीदारी के लिए विभाग द्वारा विभिन्न योजनाएं लागू की जा रही हैं।

राज्यस्तरीय परिषद का हुआ उद्घाटन

सोमवार को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण में आयोजित किसान उत्पादक संस्था की राज्यस्तरीय परिषद का उद्घाटन रावल ने किया। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन मंडल और महाराष्ट्र एग्री बिजनेस नेटवर्क के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। रावल ने कहा कि मौजूदा कृषि मंडियों की तुलना में अधिक आधुनिक, सुसज्जित और वैश्विक स्तर की बाजार श्रृंखला विकसित करना समय की मांग है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य और बाजार मिल सके।

हर साल 10 हजार करोड़ की उपज होती है बर्बाद

मंत्री ने बताया कि राज्य में हर साल करीब 10 हजार करोड़ रुपये की कृषि उपज कटाई के बाद बर्बाद हो जाती है। इस नुकसान को रोकने के लिए प्रोसेसिंग इंडस्ट्री और भंडारण सुविधाओं को बढ़ाना जरूरी है। रावल ने कृषि मंडियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म अपनाने की सलाह दी और e-NAM के उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया, ताकि किसानों को पारदर्शी और बेहतर बाजार उपलब्ध हो सके।

कोर्ट ने ठोस सबूतों के अभाव में देवर को आत्महत्या के उकसावे से किया बरी

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अश्विन डी. भोबे की एकल पीठ ने दहेज उत्पीड़न और आत्महत्या के एक मामले में महत्वपूर्ण व्यवस्था देते हुए स्पष्ट किया है कि केवल सामान्य आरोपों या पुरानी अस्पष्ट टिप्पणियों को आईपीसी की धारा 306 के तहत 'आत्महत्या के लिए उकसाना' नहीं माना जा सकता। अदालत ने 42 वर्षीय व्यवसायी हेमंत भंसाली की याचिका स्वीकार करते हुए सेशन कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया और कहा कि इस धारा के लिए आरोपी का स्पष्ट इरादा और घटना से सीधा संबंध होना अनिवार्य है। मामले के तथ्यों के अनुसार, याचिकाकर्ता द्वारा की गई टिप्पणी घटना से करीब डेढ़ साल पहले की थी और वह भी सीधे मृतका से नहीं बल्कि उसके पति से कही गई थी, जिसे कानूनन 'भड़काना' या 'सक्रिय सहभागिता' नहीं कहा जा सकता।

संकल्प सोसायटी में माता की चौकी का भव्य आयोजन

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

चैत्र नवरात्रि और श्री राम नवमी के पावन अवसर पर 28 मार्च की शाम मीरा रोड के पूनम कॉम्प्लेक्स स्थित संकल्प सोसायटी में 'माता की चौकी' का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि संकल्प सोसायटी में हर त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इसी कड़ी में श्री राम नवमी के पश्चात एकादशी तिथि पर माँ जगदम्बे की मंगल आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर सोसायटी के महिला-पुरुषों ने पारंपरिक परिधानों में माँ दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना की और भक्ति के सागर में सराबोर नजर आए।

भक्तिमय प्रस्तुति और महाप्रसाद

स्थानीय भजन गायकों ने 'आ माँ आ तुझे दिल ने पुकारा', 'जय अम्बे माँ' और 'रण में कूद पड़ी माँ काली' जैसे कर्णप्रिय भजनों से पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव और माँ काली की मनमोहक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनके जीवंत प्रस्तुतिकरण ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चौकी के समापन पर सभी भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। सोसायटी के सदस्य अजय शेठ ने इस अवसर पर कहा कि माता की चौकी का यह आयोजन हमारी एकता और अटूट श्रद्धा का प्रतीक है; नवरात्रि की यह शक्ति हमें नई ऊर्जा प्रदान करती है और जीवन में सत्य व अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

10 और स्टेशनों पर इमरजेंसी मेडिकल रूम मंजूर

हाईकोर्ट के निर्देश पर रेलवे सक्रिय, आपात स्थिति में मिलेगी तुरंत चिकित्सा सुविधा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई लोकल और अन्य यात्री ट्रेनों में सफर करने वाले लाखों यात्रियों के लिए इमरजेंसी मेडिकल रूम (EMR) की आवश्यकता को देखते हुए मध्य और पश्चिम रेलवे ने उपनगरीय स्टेशनों पर इसकी स्थापना की प्रक्रिया तेज कर दी है। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद इस व्यवस्था को लागू करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। मध्य रेलवे के मुंबई मंडल के अंतर्गत भायखला, कल्याण और वाशी स्टेशनों पर EMR पहले से ही कार्यरत हैं। इसके अलावा कलवा, टिटवाला और कर्जत स्टेशनों पर भी यह सुविधा शुरू हो चुकी है। अब लोकमान्य तिलक टर्मिनस, कुर्ला, घाटकोपर, ठाणे, मुंब्रा, मानखुर्द और चेंबूर सहित कुल 10 स्टेशनों पर EMR शुरू करने के लिए मंजूरी दे दी गई है। इन स्टेशनों पर जल्द ही यह सुविधा शुरू होने की उम्मीद है।

कोरोना के बाद बंद पड़ी थीं कई सेवाएं

कोरोना काल के दौरान शुरू की गई कई EMR सेवाएं बाद में बंद हो गई थीं। वर्तमान में मध्य रेलवे के करीब 90 स्टेशनों में से सिर्फ 6-7 और पश्चिम रेलवे के 30 स्टेशनों में से 14-15 स्टेशनों पर ही यह सुविधा चालू है।

24 घंटे उपलब्ध रहेंगी सेवाएं

EMR में 24 घंटे डॉक्टर और प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहेंगे। यहां ऑक्सीजन, जीवन रक्षक उपकरण, स्ट्रेचर, दवाइयां, पोर्टेबल लैब, मेडिकल स्टोर और एंबुलेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। EMR सेवाओं के संचालन से रेलवे को लाइसेंस फीस के रूप में सालाना 40 लाख रुपये से अधिक की आय होने का अनुमान है, जिससे यह व्यवस्था आर्थिक रूप से भी लाभदायक साबित होगी।

एकतरफा चुनाव नहीं होने देंगे: उद्धव ठाकरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना (उद्धव) पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को पार्टी के जिलाध्यक्षों और नगरसेवकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक में ठाकरे ने कहा कि भले ही अगले साढ़े तीन साल तक कोई बड़ा चुनाव नहीं है, लेकिन यही समय है जब पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने और संगठन विस्तार का आह्वान किया। अपने संबोधन में ठाकरे ने स्पष्ट किया कि अगला चुनाव एकतरफा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी और जनता के मुद्दों पर संघर्ष करेगी।

मजबूत विपक्ष की कमी पर निशाना

ठाकरे ने कहा कि राज्य में फिलहाल मजबूत विपक्ष नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में उनकी पार्टी को यह जिम्मेदारी निभानी होगी और जनता की आवाज बनकर सामने आना होगा। उन्होंने जिलाध्यक्षों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएं और सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करें। इस बैठक को आगामी चुनावों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उद्धव ठाकरे ने संगठन को मजबूत करने और आने वाले समय में आक्रामक राजनीतिक भूमिका अपनाने के स्पष्ट संकेत दिए हैं।

"मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं, लड़ना होगा"

उद्धव ठाकरे ने कार्यकर्ताओं से साफ शब्दों में कहा कि उनके पास देने के लिए कुछ नहीं है, लेकिन विपक्ष के तौर पर लड़ाई लड़नी होगी। इस बयान के जरिए उन्होंने मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी अप्रत्यक्ष टिप्पणी की।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृष कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा।अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं।

सिंह अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें।

तुला यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

धनु नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। थकान रहेगी।

मकर बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी।

कुंभ स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। चिंता दूर होगी। नौकरी में रुतबा बढ़ेगा।

मीन धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

ग्रहों को शांत कर जीवन में शुभता लाने का मार्ग

प्रियंका जैन
97699 94439

हमारे जीवन में आने वाली सुख-दुख की परिस्थितियाँ केवल बाहरी कारणों से ही नहीं, बल्कि हमारे कर्मों और ग्रहों की स्थिति से भी प्रभावित होती हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार जब किसी व्यक्ति की कुंडली में ग्रह अशुभ स्थिति में होते हैं, तो उनका प्रभाव जीवन के विभिन्न क्षेत्रों—स्वास्थ्य, धन, संबंध और मानसिक स्थिति—पर दिखाई देने लगता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि मनुष्य असहाय है। हमारे शास्त्रों ने ऐसे अनेक सरल और बिना खर्च वाले उपाय बताए हैं, जिन्हें अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

सबसे पहले सूर्य की बात करें तो यह आत्मा, प्रतिष्ठा और ऊर्जा का कारक माना गया है। जब सूर्य अशुभ होता है तो व्यक्ति को हृदय और आंखों से जुड़ी समस्याएं, आर्थिक हानि, मान-सम्मान में कमी और झूठे आरोपों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सबसे सरल उपाय है कि रविवार के दिन सूर्योदय के समय शुद्ध मन से सूर्य को जल अर्पित किया जाए। यह क्रिया केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना है, जो व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। जल अर्पण के बाद किसी जरूरतमंद को सहायता देना इस प्रभाव को और भी मजबूत करता है।

चन्द्रमा मन और भावनाओं का प्रतिनिधि है। जब चन्द्रमा अशुभ होता है, तो व्यक्ति मानसिक तनाव, चिंता, अनिद्रा और अस्थिरता का अनुभव करता है। ऐसे समय में व्यक्ति को अपने मन को शांत रखने की आवश्यकता होती है। चन्द्रमा को प्रसन्न करने के लिए सफेद वस्तुओं का दान करना, जैसे चावल, दूध या सफेद फूल, अत्यंत लाभकारी माना गया है। इसके साथ ही रात में चंद्रमा को निहारते हुए कुछ समय ध्यान करना मन को स्थिरता प्रदान करता है।

मंगल ग्रह साहस, ऊर्जा और भूमि से जुड़ा होता है। इसके अशुभ प्रभाव से व्यक्ति को कर्ज, विवाद और गुस्से की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्ति को अपने भीतर धैर्य और संयम विकसित करना चाहिए। मंगल को शांत करने के लिए देवी के मंदिर में जाकर श्रद्धा से प्रार्थना करना या छोटी कन्याओं का सम्मान करना अत्यंत प्रभावी उपाय माना गया है। यह उपाय व्यक्ति के भीतर करुणा और संतुलन की भावना को जागृत करता है।

बुध ग्रह बुद्धि, वाणी और संचार का प्रतीक है। जब यह अशुभ होता है, तो परिवार में कलह, गलतफहमियां और मानसिक अस्थिरता बढ़ने लगती है। ऐसे में व्यक्ति को अपने व्यवहार और शब्दों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हरी वस्तुओं का दान करना, जैसे हरी सब्जियां या वस्त्र, बुध को संतुलित करने का एक सरल उपाय है। इसके साथ ही सच्चाई और स्पष्टता को अपनाना भी बुध के प्रभाव को सकारात्मक बनाता है।

गुरु ग्रह ज्ञान, धर्म और संतान का कारक है। इसके अशुभ होने पर शिक्षा में बाधा, पारिवारिक समस्याएं और वैवाहिक जीवन में तनाव उत्पन्न होता है। गुरु को प्रसन्न करने के लिए धार्मिक कार्यों में भाग लेना, गुरुजनों का सम्मान करना और ज्ञान का आदान-प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। पीले वस्त्र या धार्मिक पुस्तकों का दान भी इस दिशा में सहायक होता है।

UPPCS 2024: आसमां पर बेटियां, नेहा टॉपर

- यूपी पीसीएस-2024 का अंतिम परिणाम जारी, महिला अभ्यर्थियों का दबदबा
- टॉप टेन में छह महिला अभ्यर्थी शामिल, 947 के सापेक्ष 932 अभ्यर्थी सफल

एजेंसी । प्रयागराज

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा-2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। जारी सूची के अनुसार कुल 947 पदों के सापेक्ष 932 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जिनमें नेहा पांचाल ने प्रथम स्थान हासिल किया है। परिणाम की प्रमुख विशेषता यह रही कि शीर्ष सात स्थानों में छह महिला अभ्यर्थियों ने जगह बनाई है।

इंटरव्यू के लिए बुलाए गए थे 2719 अभ्यर्थी

आयोग के अनुसार मुख्य परीक्षा का परिणाम 4 फरवरी 2026 को घोषित किया गया था, जिसमें 2719 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए चुना गया। न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में दो अन्य अभ्यर्थियों को भी सशर्त रूप से साक्षात्कार में शामिल किया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया 26 फरवरी से 23 मार्च के बीच संपन्न हुई, जिसमें 21 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

कुछ पदों के लिए नहीं मिले उपयुक्त अभ्यर्थी

अंतिम चयन सूची 24 प्रकार की सेवाओं और पदों के लिए जारी की गई है। हालांकि, कुछ पदों पर उपयुक्त अभ्यर्थी न मिलने के कारण रिक्तियां शेष रह गई हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों के नाम के आगे 'प्रोविजनल' अंकित है, उन्हें निर्धारित समय सीमा में आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे, अन्यथा उनका चयन निरस्त किया जा सकता है।

नेहा नाम की 13, अभिषेक नाम के 22 अभ्यर्थी चयनित

यूपीपीसीएस 2024 के अंतिम परिणाम में चयनित अभ्यर्थियों में 13 महिला अभ्यर्थी ऐसी हैं, जिनका नाम नेहा है। इससे भी दिलचस्प बात यह है कि नेहा नाम की कुल तीन अभ्यर्थी एसडीएम या डिप्टी कलेक्टर पद के लिए चयनित हुई हैं। यह तीनों टाप 11 की लिस्ट में शामिल हैं। इसके अलावा पूजा नाम की छह, गरिमा नाम से पांच, अंकिता नाम से चार, स्नेहा, सृष्टि और दीक्षा नाम की तीन-तीन महिला अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। पुरुषों में अभिषेक नाम से कुल 22 अभ्यर्थी चुने गए हैं। जबकि विनय नाम से आठ, अविनाश व अनुराग नाम के छह-छह व सचिन नाम से पांच अभ्यर्थी अफसर बने हैं।

UP PCS-2024 परिणाम के मुख्य अंश

- उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस-2024 का अंतिम परिणाम जारी किया
- कुल 947 पदों के सापेक्ष 932 अभ्यर्थियों का चयन

नेहा पांचाल ने किया टॉप

- शीर्ष 7 में 6 महिला अभ्यर्थियों का दबदबा
- दूसरे स्थान पर अनन्या त्रिवेदी, तीसरे पर अभय प्रताप सिंह
- साक्षात्कार 26 फरवरी से 23 मार्च 2026 के बीच आयोजित
- 2719 अभ्यर्थी इंटरव्यू के लिए चयनित, 21 रहे अनुपस्थित
- 24 प्रकार की सेवाओं/पदों के लिए चयन सूची जारी
- कुछ पद योग्य अभ्यर्थी न मिलने से रिक्त
- 'प्रोविजनल' अभ्यर्थियों को दस्तावेज जमा करने के निर्देश
- कटऑफ और अंक जल्द वेबसाइट पर होंगे जारी

बिहार: बिजली दरों को लेकर तेजस्वी का हमला

- 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का किया था वादा

एजेंसी । पटना

बिहार में प्रस्तावित बिजली दर संशोधन को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। एक अप्रैल से संभावित नई दरों के लागू होने की चर्चाओं के बीच विपक्ष ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है।बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने चुनाव के दौरान 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की बात कही थी, लेकिन अब दरों में बदलाव की तैयारी से जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है।तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने बयान में प्रस्तावित दर संरचना का उल्लेख करते हुए दावा किया कि अलग-अलग समय अवधि के हिसाब से प्रति यूनिट बिजली की दरें तय की जा रही हैं।

आर्थिक बोझ बनेंगी नई दरें

जिनमें पीक आवर्स के दौरान अधिक शुल्क लिया जा सकता है। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नई दरें आम उपभोक्ताओं के लिए राहत के बजाय अतिरिक्त आर्थिक दबाव का कारण बनेंगी। साथ ही, उन्होंने सरकार की आर्थिक स्थिति और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। हालांकि, सरकार की ओर से इन आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में बिजली दरों को लेकर आगामी दिनों में राजनीतिक बहस और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

बुंदेलखंड: महिलाओं ने किया 2000 करोड़ का कारोबार

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी से डेयरी क्षेत्र में उल्लेखनीय आर्थिक गतिविधि सामने आई है। विभिन्न जिलों में सक्रिय लगभग 90 हजार महिलाओं ने सामूहिक रूप से 2000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार दर्ज किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह पहल झांसी से शुरू होकर अब बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, जालौन, ललितपुर और महोबा तक फैल चुकी है। करीब 1100 से अधिक गांवों में फैले इस नेटवर्क के तहत प्रतिदिन लगभग तीन लाख लीटर दूध का संग्रह किया जा रहा है। इस मॉडल में महिलाओं को संगठित कर डेयरी उत्पादन, संग्रहण और विपणन की श्रृंखला से जोड़ा गया है। भुगतान की प्रक्रिया को सीधे बैंक खातों से जोड़ा गया है, जिससे बिचौलियों की भूमिका कम हुई है। वित्तीय सहायता जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एक साल में छह लाख परिवारों को मिली छत

- ग्रामीण आवास निर्माण में छत्तीसगढ़ अग्रणी
- पीएम योजना के तहत 5.87 लाख आवास बने

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण आवास निर्माण के क्षेत्र में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राज्य में इस अवधि में 6 लाख से अधिक ग्रामीण आवासों का निर्माण पूरा किया गया, जो में सर्वाधिक माना सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह उपलब्धि विभिन्न आवास योजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन का परिणाम है।

सबको आवास देने का लक्ष्य

राज्य सरकार ने "सबको आवास" के लक्ष्य को प्राथमिकता देते हुए शुरुआती स्तर पर ही बड़ी संख्या में आवास स्वीकृत किए थे। इसके बाद पात्र हितग्राहियों की पहचान और निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के जरिए इस लक्ष्य को गति दी गई। अधिकारियों का कहना है कि सर्वे में शामिल अधिकांश पात्र परिवारों को कवर कर लिया गया है। महिलाओं को मिला रोजगार आवास निर्माण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी गतिविधियां बढ़ी हैं। निर्माण सामग्री आपूर्ति में महिला स्व-सहायता

समूहों की भागीदारी से हजारों महिलाओं को आय के अवसर मिले हैं। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा दिया गया, जिनमें महिला मिस्त्रियों की भी भागीदारी रही।

एक लाख घूस ले रहा था संविदाकर्मी, गिरफ्तार

एजेंसी । बागपत

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में भ्रष्टाचार के एक मामले में कार्रवाई करते हुए मेरठ की एंटी करप्शन टीम ने रटौल नगर पंचायत से जुड़े एक संविदाकर्मी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपित को एक लाख रुपये की नकद रकम लेते समय रंगे हाथ पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी संविदा कर्मी के खिलाफ पहले से शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक मामले में पक्ष में निर्णय कराने के नाम पर धन की मांग की जा रही थी।

नितिन नवीन और नितीश कुमार का इस्तीफा

- बिहार के बांकीपुर विधानसभा सीट से विधायक थे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी । पटना

भारतीय जनता पार्टी के नेता नितिन नवीन ने बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वह पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उनके इस्तीफे को पार्टी में मिली नई जिम्मेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है। नितिन नवीन ने अपने निर्णय की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की।

जारी रहेगा विकास और बांकीपुर का विकास

नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्री के रूप में कार्य करने के अनुभव को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इस दौरान विभिन्न योजनाओं और नीतियों के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिला।

सीएम नितीश ने छोड़ी विधान परिषद सदस्यता

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनका यह कदम राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद उठाया गया है, जो संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप माना जा रहा है। विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के तहत संपन्न की गई है।

नीतीश के राज में बिहार ने देखा अद्भुत विकास

सभापति अवधेश नारायण सिंह ने नीतीश कुमार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार ने विकास के कई चरण देखे हैं। अब उनके केंद्र की में जाने के साथ नई जिम्मेदारियों की होगी। गौरतलब है कि किसी भी के लिए एक दो सदनों की सदस्यता संभव नहीं होती, ऐसे में राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद विधान परिषद की सदस्यता छोड़ना आवश्यक हो जाता है।

समाज का आईना होता है साहित्यकार: कनकेश्वरी नंद गिरि

- गोरखपुर जिला कारागार में भजन संध्या और कवि सम्मेलन में झूमे श्रेता

एजेंसी । गोरखपुर

अपना ट्रस्ट एवं गोरखपुर कारागार के संयुक्त तत्वावधान में जिला कारागार परिसर में कवि सम्मेलन एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य और भक्ति से जुड़ी प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक संदेश दिए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महामंडलेश्वर कनकेश्वरी नंद गिरी ने कहा कि साहित्यकार समाज का आईना होता है।

उन्होंने साहित्य की भूमिका को समाज के मार्गदर्शन से जोड़ते हुए इसे आवश्यक बताया। विशिष्ट आमंत्रित अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि भजन और भक्ति के जरिए ईश्वर को पाया जा सकता है और यह एक महत्वपूर्ण मार्ग है। कार्यक्रम का संचालन मिन्नत गोरखपुरी ने किया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में पढ़ा— सब की श्रद्धा और सम्मान है इस नाम के साथ, भगवान श्री राम का जिक्र होता है हनुमान के नाम के साथ, पर खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश श्रीवास्तव

तथा विशिष्ट अतिथि प्रमोद चोखानी और शिवयोगी ने भजन प्रस्तुत किए, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। कवि सम्मेलन का आरंभ आसिया गोरखपुरी ने सरस्वती वंदना से किया। इसके बाद विभिन्न कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। गौतम गोरखपुरी ने पढ़ा— "गीता और कुरान से बाहर आ गए, हिंदू मुसलमान से बाहर आ गए"। प्रतिभा गुप्ता ने अपनी रचना में कहा— "हरे-भरे दरख्तों को उजाड़ कर इंसान, विरानियों में सुकून भरा आयाम ढूँढ़ता है।" आसिया गोरखपुरी ने भी अपनी प्रस्तुति दी— "मोहम्मद माते ए जा अपनी राम भी राम है हमारे लिए"। इसके अतिरिक्त उत्कर्ष पाठक उत्पल, तनिष्क हरि अग्रवाल, आदित्य राज, अंकुर सच्चर सहित अन्य कवियों ने भी काव्य पाठ किया।कार्यक्रम में जेलर अरुण कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कारागार डी.के. पांडेय, शाहिना शेख, रवीश मिश्रा, दीपक, आजाद पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम की संयोजिका स्वेच्छा श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों और उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

'नई व्यवस्था नहीं, दरों में आंशिक संशोधन'

- एंट्री टैक्स पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने दिया स्पष्टीकरण

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में एंट्री टैक्स को लेकर चल रही सियासी बहस के बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि राज्य में कोई नया कर लागू नहीं किया गया है, बल्कि पहले से प्रभावी व्यवस्था में सीमित वृद्धि की गई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस प्रणाली का जल्द ही पुनर्संतुलन किया जाएगा।

पंजाब के साथ बढ़ सकता है तनाव

इस मुद्दे को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रश्नकाल के बाद इस विषय को उठाते हुए कहा कि कर व्यवस्था में बदलाव से पड़ोसी पंजाब के साथ तनाव की स्थिति बन सकती है। उन्होंने चेताया कि यदि विवाद बढ़ता है।

संशोधन से पहले विश्वास दिलाना जरूरी

वहीं, भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के संशोधन से पहले संबंधित पक्षों, विशेषकर परिवहन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को विश्वास में लिया जाना चाहिए। उन्होंने सीमा क्षेत्रों में विरोध की खबरों का भी उल्लेख किया। सरकार की ओर से हालांकि यह गया कि एंट्री टैक्स की मौजूदा व्यवस्था पूर्व से लागू है और इसमें किया गया सीमित है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर व्यापक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पसंद से विवाह पर हस्तक्षेप अस्वीकार्य: हाईकोर्ट

एजेंसी । प्रयागराज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक अहम टिप्पणी में कहा है कि बालिग व्यक्तियों द्वारा अपनी इच्छा से किए गए विवाह को "सम्मान" के मुद्दे से जोड़ना उचित नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में दंपति की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है, भले ही खतरा परिजनों से ही क्यों न हो। न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने यह टिप्पणी एक याचिका की सुनवाई के दौरान की, जिसमें अलीगढ़ के एक दंपति ने सुरक्षा की मांग की थी।

व्यापार जगत

हफ्ते की शुरुआत में ही 9.7 लाख करोड़ का फटका

- कारोबार के पहले दिन घरेलू बाजार लड़खड़ाया
- भारी दबाव में बंद हुए बीएसई और एनएसई निफ्टी

एजेंसी । नई दिल्ली

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों की संपत्ति में बड़े पैमाने पर कमी आई। बीएसई सेंसेक्स और प्रमुख सूचकांक भारी दबाव में बंद हुए। बाजार के अनुसार, एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इसके चलते लगातार दूसरे दिन बाजार में बिकवाली हावी रही। कारोबार के अंत में सेंसेक्स लगभग 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,947 अंक के आसपास बंद हुआ।

लाल निशान में रहे सभी प्रमुख सूचकांक

सेक्टोरल स्तर पर सभी प्रमुख सूचकांक लाल निशान में रहे। विशेष रूप से बैंकिंग शेयरों में अधिक दबाव देखने को मिला, जिससे बैंक इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा ऑटो, कैपिटल गुड्स, आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर भी कमजोर रहे।ब्रॉडर मार्केट में भी गिरावट का रुख कायम रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी दो से ढाई प्रतिशत तक की कमजोरी दर्ज की गई।

412 लाख करोड़ रुपये रह गया कैपिटलाइजेशन

इस गिरावट का असर निवेशकों की कुल संपत्ति पर भी पड़ा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन घटकर करीब 412 लाख करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले सत्र की तुलना में लगभग 9.71 लाख करोड़ रुपये कम है। दिनभर के कारोबार में बाजार की चौड़ाई भी रही, जहां गिरने वाले शेयरों की संख्या बढ़ने वाले शेयरों से काफी अधिक रही। में शामिल अधिकांश कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक कारकों और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के चलते निकट भविष्य में बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है।

ब्याज आय पर टीडीएस नियम स्पष्ट

- तय सीमा पार होने पर बैंक करेंगे कर कटौती

एजेंसी । नई दिल्ली

आयकर विभाग ने बैंक जमा पर मिलने वाली ब्याज आय पर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। विभाग के अनुसार, निर्धारित सीमा से अधिक ब्याज आय होने पर बैंकिंग संस्थान टीडीएस काटने के लिए बाध्य होंगे। विभाग ने बताया कि आयकर कानून की प्रासंगिक धाराओं के तहत यदि किसी व्यक्ति की बैंक या डाकघर जमा से प्राप्त ब्याज आय एक वित्त वर्ष में तय सीमा से अधिक हो जाती है, तो उस पर टीडीएस लागू होगा। सामान्य करदाताओं के लिए यह सीमा 50 हजार रुपये वार्षिक है।

कम आय पर टीडीएस नहीं

स्पष्टीकरण में यह भी कहा गया है कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के अंतर्गत आने वाली सभी संस्थाएं 'बैंकिंग कंपनी' की श्रेणी में मानी जाएंगी और उन पर यह प्रावधान लागू होगा। इसके साथ ही, आयकर अधिनियम, 2025 के तहत भी 'बैंकिंग कंपनी' की परिभाषा का दायरा व्यापक रखा गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार के बैंक और बैंकिंग संस्थान शामिल हैं।

सर्राफा बाजार नरम: सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सप्ताह की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई, जहां सोना और चांदी दोनों की कीमतों में मामूली गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में मांग कमजोर रहने से कीमती धातुओं के भाव दबाव में रहे। बाजार रुझानों के अनुसार, 24 कैरेट सोना करीब 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार करता नजर आया, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत लगभग 1.35 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रही। चांदी की कीमतों में भी हल्की कमजोरी देखने को मिली और दिल्ली बाजार में यह लगभग 2.44 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रही।

उत्तर से दक्षिण तक एक ही रुझान

प्रमुख महानगरों—दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता—में सोने के भाव में सीमित अंतर के साथ समान रुझान देखा गया। अन्य शहरों जैसे लखनऊ, पटना और जयपुर में भी कीमतें लगभग इसी स्तर पर बनी रहीं। दक्षिण और पूर्वी भारत के बाजारों में भी गिरावट का यही रुख देखने को मिला। बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में सोने की कीमतों में हल्की नरमी दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव और स्थानीय मांग में कमी के कारण सर्राफा बाजार में यह सीमित गिरावट देखने को मिली है। फिलहाल कीमतों में

स्थिरता के संकेत हैं, हालांकि वैश्विक रुझान आगे की दिशा तय करेंगे। कुल मिलाकर, घरेलू निर्माण इस्पात की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जबकि वैश्विक बाजार में विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में स्पष्ट अंतर दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि व्यापार समर्थन नीतियों और उत्पादन लागत के दबाव के कारण निकट भविष्य में हॉट-रोल्ड स्टील कॉइल की कीमतों में वृद्धि जारी रह सकती है।

आरबीआई ने की 84,582 करोड़ कैश की बारिश

- बैंकिंग सिस्टम में नकदी प्रवाह बढ़ाने के लिए रिजर्व बैंक हुआ सक्रिय

एजेंसी । नई दिल्ली

बैंकिंग सेक्टर में तरलता की स्थिति को संतुलित करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार दो दिनों में वेरिएबल रेट रेपो (VRR) नीलामियों के माध्यम से बड़ी मात्रा में नकदी प्रणाली में प्रवाहित की है। कुल मिलाकर केंद्रीय बैंक ने 84,582 करोड़ रुपये की अस्थायी लिक्विडिटी उपलब्ध कराई है। आरबीआई द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, पहले चरण में तीन-दिवसीय वीआरआर नीलामी के जरिए करीब 50,001 करोड़ रुपये डाले गए।

लिक्विडिटी नीलामी में मांग का उतार-चढ़ाव

इस नीलामी में कट-ऑफ दर 5.34 प्रतिशत और औसत भारित दर 5.44 प्रतिशत रही। इसके बाद आयोजित दूसरी नीलामी में 34,581 करोड़ रुपये की अतिरिक्त लिक्विडिटी 5.26 प्रतिशत के कट-ऑफ और 5.30 प्रतिशत की औसत दर पर प्रदान की गई। पहली नीलामी में निर्धारित राशि से अधिक बोलियां प्राप्त हुईं, जिससे बैंकिंग प्रणाली में नकदी की मांग का संकेत मिला।

बैंकिंग सिस्टम में 1.27 लाख करोड़ रुपये

बैंकिंग प्रणाली में कुल तरलता की स्थिति पर नजर डालें तो मार्च के अंतिम सप्ताह तक यह लगभग 1.27 लाख करोड़ रुपये के अधिशेष में रहने का अनुमान है। हाल के दिनों में आरबीआई ने विभिन्न अवधियों के वीआरआर ऑपरेशनों के जरिए कुल 2.73 लाख करोड़ रुपये से अधिक की अस्थायी लिक्विडिटी प्रणाली में डाली है। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक पहले ही ओपन मार्केट ऑपरेशन (OMO) के माध्यम से सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद कर स्थायी आधार पर भी बड़ी मात्रा में नकदी उपलब्ध करा चुका है।

कितना सरप्लस होने का अनुमान

पहले ऑक्शन में, केंद्रीय बैंक को 50,000 करोड़ रुपये की तय रकम के मुकाबले 57,287 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं और उसने 50,001 करोड़ रुपये की बोलियां मंजूर कीं। हालांकि, दूसरे ऑक्शन में, मिली बोलियां तय रकम से कम थीं। फिलहाल, 27 मार्च तक बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी लगभग 1.27 लाख करोड़ रुपये के सरप्लस में होने का अनुमान है. पिछले कुछ दिनों में, केंद्रीय बैंक नेसीमा वाले ऑक्शन के ज़रिए बैंकिंग सिस्टम में 2,73,530 करोड़ रुपये की अस्थायी लिक्विडिटी डाली है। इससे पहले, RBI ने जनवरी 2026 मार्केट खरीद के ज़रिए बैंकिंग सिस्टम में 3.50 लाख करोड़ रुपये की स्थायी लिक्विडिटी डाली।

स्पेशलिटी मेडिसिन्स की बाजार में सपाट लिस्टिंग

- बाद की खरीदारी से निवेशकों को हल्का लाभ

एजेंसी । नई दिल्ली

फार्मा क्षेत्र की कंपनी स्पेशलिटी मेडिसिन्स लिमिटेड के शेयरों ने शेयर बाजार में बिना प्रीमियम के एंट्री की, लेकिन कारोबार के दौरान आई खरीदारी से आईपीओ निवेशकों को सीमित लाभ मिला। कंपनी का शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 124 रुपये के इश्यू प्राइस पर ही सूचीबद्ध हुआ। लिस्टिंग के तुरंत बाद मांग बढ़ने से कीमत बढ़कर करीब 129.50 रुपये तक पहुंची, हालांकि बाद में मुनाफावसूली के चलते इसमें नरमी आई और दिन के अंत में शेयर 125.80 रुपये पर बंद हुआ।

खुदरा निवेशकों ने नहीं दिखाई दिलचस्पी

करीब 29 करोड़ रुपये के इस आईपीओ को निवेशकों से औसत प्रतिक्रिया मिली थी और यह कुल 2.27 गुना सब्सक्राइब हुआ। संस्थागत निवेशकों (QIB) की ओर से सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखी, जबकि खुदरा निवेशकों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही। कंपनी ने इस इश्यू के जरिए जुटाई गई राशि को अनुसंधान एवं विकास (R&D), नए उत्पादों के विकास, विपणन गतिविधियों और कार्यशील पूंजी की जरूरतों में लगाने की योजना बनाई है। कंपनी की वित्तीय सेहत में हुआ सुधार वित्तीय प्रदर्शन के लिहाज से कंपनी ने हाल के वर्षों में वृद्धि दर्ज की है। राजस्व और मुनाफे दोनों में सुधार हुआ है,

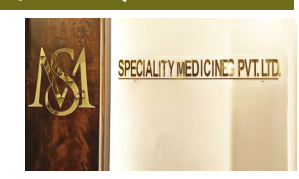

हालांकि कर्ज में भी कुछ बढ़ोतरी देखी गई है। इसके साथ ही नेटवर्थ और परिचालन लाभ (EBITDA) में भी विस्तार हुआ है, जो कंपनी की विकास क्षमता की ओर संकेत करता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि शुरुआती स्थिर लिस्टिंग के बावजूद निवेशकों की रुचि बनी रहने से शेयर में सीमित बढ़त देखने को मिली। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 1.80 रुपये प्रति शेयर यानी 1.45 प्रतिशत के फायदे में रहे।

रुपया पहली बार 95 के पार, अंत में संभला

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार को भारतीय मुद्रा ने दिन के कारोबार के दौरान ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप के बावजूद रुपया डॉलर के मुकाबले पहली बार 95 के स्तर से नीचे फिसलते हुए 95.22 प्रति डॉलर के न्यूनतम स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, कारोबारी सत्र के उत्तरार्ध में स्थिति में सुधार आया और रुपया निचले स्तर से उबरते हुए 94.51 प्रति डॉलर (अनंतिम) पर बंद हुआ। यह रिकवरी दिनभर की तेज उतार-चढ़ाव भरी चाल को दर्शाती है। कारोबार की शुरुआत में रुपया मजबूत रुख के साथ खुला था।

न्यूज़ ब्रीफ

शाहीन और रजा ने सुरक्षा प्रोटोकॉल को तोड़ा

लाहौर। लाहौर कलंदर्स टीम के कप्तान शाहीन अफरीदी और विदेशी खिलाड़ी सिकंदर रजा एक और मामले में फंस गए हैं। उन्हें होटल का टीम सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने का दोषी पाया गया है। लाहौर डीआईजी ,आपरेशंस मोहम्मद फैसल ने पीएसएल के सीईओ को बताया कि शहर के पांच सितारा होटल में जहां आठ टीमें ठहरी हैं, सुरक्षा प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन हुआ है। मनाही के बावजूद शाहीन और सिकंदर ने आठवें माले स्थित कमरे में रात डेढ़ बजे तक चार मेहमानों की मेजबानी की। लाहौर कलंदर्स के मीडिया अधिकारी ने रजा के कमरे में 10.35 तक और फिर रात 11 बजे तक मेहमानों के रहने की अनुमति मांगी थी लेकिन दोनों खारिज कर दी गई थी।

मनिका, मानव विश्व कप में शुरुआती मैच हारे

मकाऊ। आईटीटीएफ विश्व कप 2026 में भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों की शुरुआत निराशाजनक रही। सोमवार को यहां मनिका बत्रा और मानव ठक्कर अपने-अपने शुरुआती ग्रुप मैच हार गए। यहां महिला एकल में वर्ल्ड रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज 30 वर्षीय मनिका बत्रा को ग्रुप 4 में जापान की मिवा हारिमोटो ने 3-0 (18-16, 11-4, 11-6) से हरा दिया। मनिका बत्रा मंगलवार को आखिरी ग्रुप मैच में अमेरिका की ओलंपियन लिली झांग का सामना करेंगी। पुरुष एकल में मानव ठक्कर को दक्षिण कोरिया के पार्क गैंग-ह्योन से 3-0 (11-7, 11-6, 11-8) से हराया। ठक्कर को अब दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और ओलंपिक रजत पदक विजेता ट्रुल्स मोरेगार्ड का सामना करना होगा।

गुजरात के खिलाफ किंग्स आज करेंगे अपने अभियान का आगाज

- घरेलू मैदान पर वापसी करने पर टिकी नजर
- घर में बादशाहत साबित करने उतरेगा पंजाब

एजेंसी। मुल्लांपुर

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के चौथे मुकाबले में मंगलवार (31 मार्च) को पंजाब किंग्स (PBKS) का सामना गुजरात टाइटंस (GT) से होगा। ये मुकाबला महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम (मुल्लांपुर) में खेला जाएगा। PBKS इस संस्करण पहली बार ट्रॉफी जितने के इरादे से उतरेगी। IPL 2025 में वह फाइनल मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) से हार गई थी। वहीं, शुभमन गिल की कप्तानी में GT भी इस बार बेहतर करना चाहेगी। पिछले संस्करण वह प्लेऑफ से बाहर हुई थी।

दोनों टीमों के बीच बराबरी का रहा है मुकाबला

IPL के इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक 6 मुकाबले हुए हैं। इस दौरान GT ने 3 और PBKS ने भी 3 मैच अपने नाम किए हैं। IPL 2025 में दोनों टीमों के बीच एक भिड़ंत हुई थी। उस मैच को PBKS ने 11 रन से अपने नाम किया था। IPL 2024 में दोनों टीमों ने 2 मैच खेले थे। एक मैच PBKS ने जीता था और एक मैच GT अपने नाम करने में सफल रही थी।

कैसा है पिच का मिजाज?

यादविंद्र सिंह स्टेडियम की पिच पारंपरिक रूप से मिट्टी की होने की जगह रेत से तैयार की गई है। इससे यहां स्पिनरों के मुकाबले तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है। इसी तरह इस पिच पर बल्लेबाज और गेंदबाजों के लिए समान अवसर होते हैं। हालांकि, बल्लेबाजों के लिए रन बनाने के लिए अपनी नजरें जमानी होती है। ऐसे में इस मैदान पर एक मजेदार मुकाबला देखने को मिल सकता है।

शुभमन गिल की इस स्किल पर रहेगी नजर

भारतीय टी20 टीम से बाहर बल्लेबाज शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले मैच में क्रमशः गुजरात टाइटंस (जीटी) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की अगुवाई करेंगे तो उनका इरादा खुद को साबित करने का भी होगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान गिल को टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया था लेकिन बाद में विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

- प्रभसिमरन ने पिछले 10 मुकाबलों में 158.72 की स्ट्राइक रेट से 373 रन बनाए हैं।
- श्रेयस के बल्ले से पिछले 10 मैच में 162.91 की स्ट्राइक रेट से 347 रन निकले हैं।
- शुभमन ने पिछले 10 मैचों में 55.78 की औसत से 502 रन बनाए हैं।
- गेंदबाजी में अर्शदीप ने पिछले 9 मैच में 9.09 की इकॉनमी से 11 विकेट चटकाए हैं।

नंबर गेम

06 मैच दोनों टीमों ने अब तक आपस में खेले

03 गुजरात टाइटंस ने जबकि तीन पंजाब ने जीते

11 रन से पिछला मुकाबला 2025 मे पंजाब ने जीता था

लेहेका को हराकर सिनेर ने पूरा किया सनशाइन डबल

- यानिक ने फाइनल में आसान जीत के साथ दूसरी बार खिताब
- अब तक मास्टर्स टूर्नामेंट में लगातार 34 सेट जीत चुके

मियामी ओपन

एजेंसी। मियामी गार्डंस

दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनेर ने अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज करा ली है। उन्होंने दूसरी बार मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही उन्होंने 'सनशाइन डबल' भी पूरा कर लिया।

लगातार सेट में जीते

इटली के 24 वर्षीय सिनेर ने रविवार रात खेले गए फाइनल मुकाबले में 21वीं वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से शिकस्त देकर पुरुष एकल खिताब पर कब्जा कर लिया। सिनेर चौथी बार फाइनल में पहुंचे थे।

नंबर गेम

26 खिताब सिर्फ 24 साल की उम्र में जीत चुके यानिक

04 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते जबकि एक में उपविजेता रहे

पहला मौका

शनिवार को महिला वर्ग में आर्यना सबालेंका के बाद सिनेक का भी 'सनशाइन डबल' पूरा हो गया। सबालेंका ने कोको गफ को हराकर महिला एकल खिताब जीता था। यह पहला मौका है जब एक ही साल मे पुरुष और महिला वर्ग में खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि हासिल की है। इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक साथ जीतने को 'सनशाइन डबल' कहा जाता है। सिनेर 2017 में रोजर फेडरर के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। इस शानदार जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सिनेर और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के अल्काराज अन्य खिलाड़ियों से कितने आगे हैं। दुनिया के दूसरे नंबर के सिनेर ने अब मास्टर्स टूर्नामेंट में लगातार 34 सेट जीते हैं।

शीतल देवी को 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज' चुना गया

एजेंसी। लुसाने

मात्र 19 साल की उम्र में विश्व पटल पर अपना नाम सुनहरे अक्षरों में अंकित करा चुकीं भारत की शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने 'वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज' चुना है। इनकी असाधारण उपलब्धियों में ऐतिहासिक विश्व चैंपियनशिप खिताब शामिल है। वह विश्व चैंपियनशिप में महिला टीम में रजत और मिश्रित टीम में कांस्य भी जीत चुकी हैं।

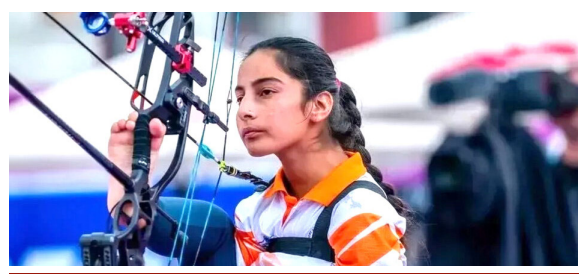

महिला भुजाहीन तीरंदाज

जम्मू-कश्मीर की शीतल देवी विश्व पैरा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला 'भुजाहीन तीरंदाज' बनीं। उन्होंने पिछले साल दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में खिताब जीता था। शीतल भुजाएं नहीं होने के बावजूद अपने पैर और कंधे का इस्तेमाल करके तीरंदाजी करती हैं।

कारुआना और प्रज्ञाननंदा पहले दौर के बाद शीर्ष पर

कैंडिडेट्स शतरंज

एजेंसी। पाफोस

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा, अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना तथा उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रज्ञाननंदा ने अपने अभियान की शुरुआत नीदरलैंड्स के अनीश गिरी को हराकर कीवहीं दूसरी ओर, विश्व कप चैंपियन सिंदारोव ने रूस के आंद्रेइ एसिपेंको को जबकि कारुआना ने अमेरिका के ही हिकारू नाकामूरा का मात दी।

आठ खिलाड़ियों के दोहरे राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में जर्मनी के मथियास ब्लूबाम और चीन के वेइ यि के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।महिला वर्ग में कोनेरू हंपी की जगह खेल रहीं भारतीय ग्रैंडमास्टर और महिला विश्व कप चैंपियन दिव्या देशमुख ने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक से ड्रॉ खेला।

हॉकी शिविर कल से, फिटनेस पर महिला टीम का फोकस

एजेंसी। नई दिल्ली

विश्व कप की तैयारी के लिए बुधवार से भारतीय सीनियर महिला हॉकी खिलाड़ियों का शिविर बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में शुरू हो रहा है। इसमें 31 संभावित खिलाड़ियों का फोकस टीम संयोजन तैयार करने, फिटनेस का स्तर और रणनीतिक पहलुओं को बेहतर करने पर रहेगा।भारतीय टीम ने हाल में हैदराबाद में एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर में दूसरा स्थान हासिल करके अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।

भारतीय टीम जून में नेशंस कप, उसके बाद विश्व कप और 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक जापान में एशियाई खेलों में हिस्सा लेगी। शिविर के बारे में कोच शुअर्ड मारिन ने कहा, यह आगामी प्रतिस्पर्धी सत्र की तैयारी के लिए हमारा अगला कदम है।

संभावित खिलाड़ी

गोलकीपर: सविता, माधुरी किंडो, बिछू देवी खारीबम, बांसरी सोलंकी।

डिफेंडर : निक्की प्रधान , उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथांटुआंगी, ज्योति और शिल्पी डबास।

मिडफील्डर : सलीमा टेटे, सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा गोयल, साक्षी राणा, सुनेलिटा टोप्पो और इशिका।

बॉलीवुड

'किंग' के एक्शन सीक्वेंस में बदलाव, दुबई की जगह मुंबई में होगी शूटिंग

शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। दिसंबर 2023 में रिलीज हुई 'डंकी' के बाद यह फिल्म शाहरुख की अगली बड़ी पेशकश होगी, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही यह फिल्म क्रिसमस 2026 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खास बात यह है कि इसमें सुहाना खान पहली बार अपने पिता शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का एक भव्य एक्शन सीक्वेंस दुबई में शूट किया जाना था, जिसमें सुहाना खान और अनिल कपूर शामिल होने वाले थे। हालांकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते इस अंतरराष्ट्रीय शूट को रद्द कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह शेड्यूल 9 अप्रैल से शुरू होकर एक सप्ताह तक चलने वाला था और इसके लिए सभी आवश्यक अनुमतियां भी पहले ही ले ली गई थीं। मौजूदा हालात को देखते हुए निर्माताओं ने कलाकारों और तकनीकी टीम की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह फैसला लिया है। अब इस एक्शन सीक्वेंस को मुंबई में ही फिल्माया जाएगा। इसके लिए विले पार्ले स्थित एक स्टूडियो में रेगिस्तानी माहौल तैयार किया जा रहा है, ताकि दुबई जैसा दृश्य प्रभाव हासिल किया जा सके। गौरतलब है कि 'किंग' में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, जैकी श्रॉफ और जयदीप अहलावत जैसे कई बड़े सितारे नजर आएंगे। बड़े पैमाने पर तैयार हो रही यह फिल्म 2026 की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

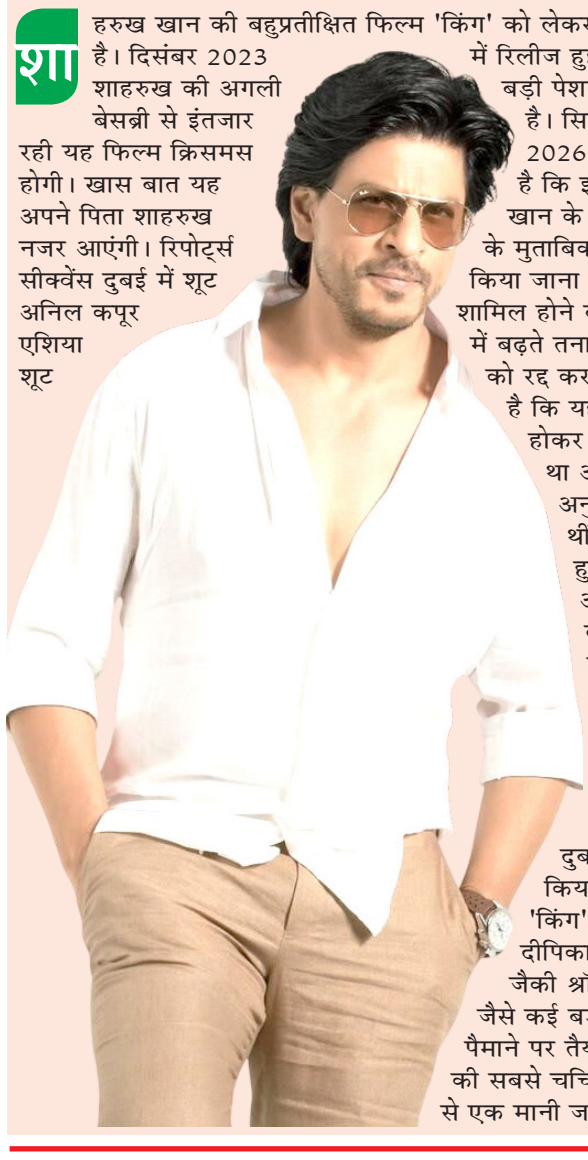

मां के अंतिम संस्कार को लेकर उठे सवालों पर जायद खान का जवाब

दिग्गज अभिनेता-निर्माता संजय खान की पत्नी ज़रीन खान के निधन और उनके हिंदू रीति-रिवाजों से हुए अंतिम संस्कार को लेकर सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस के बीच अब उनके बेटे और अभिनेता जायद खान ने चुप्पी तोड़ी है। जायद ने ट्रोलर्स को करारा जवाब देते हुए कहा कि धर्म पूरी तरह से व्यक्तिगत विषय है और हर किसी को अपनी आस्था के अनुसार निर्णय लेने का अधिकार है। एक इंटरव्यू में जायद खान ने कहा, ₹हमारे लिए धर्म एक निजी मामला है। कोई यह तय नहीं कर सकता कि कौन-सा धर्म सही है या गलत। ऐसी बातें करना ठीक नहीं है।₹ उन्होंने अपने परिवार को धर्मनिरपेक्ष बताते हुए कहा कि वे हमेशा से मानते आए हैं कि आस्था व्यक्ति की अपनी पसंद होती है, जिस पर दूसरों को सवाल नहीं उठाना चाहिए।जायद ने अपनी मां की अंतिम इच्छा का जिक्र करते हुए भावुक अंदाज में कहा, ₹मेरी मां एक 'खूबसूरत नदी' के किनारे बैठी थीं। उस वक्त बस मां ने कहा कि अगर मैं कभी इस दुनिया से जाऊं तो मैं चाहती हूं कि मेरी अस्थियां इसी नदी में प्रवाहित की जाएं। मैं आजाद (मुक्त) होना चाहती हूं।₹ गौरतलब है कि 7 नवंबर को 81 वर्ष की आयु में जरीन खान का मुंबई में निधन हो गया था। उनके हिंदू रीति-रिवाजों से हुए अंतिम संस्कार के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई थी और खान परिवार को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। इस पूरे विवाद पर अब जायद खान के बयान ने स्पष्ट कर दिया है कि परिवार अपने फैसलों पर अडिग है और व्यक्तिगत आस्था को सर्वोपरि मानता है।

स्टार गोल्ड ने 'धुरंधर' के प्रीमियर को बनाया खास

स्टार गोल्ड ने 'धुरंधर' के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर की घोषणा के लिए पूरे नेटवर्क पर एक खास कैंपेन चलाया। जहां इसकी सीक्वल 'धुरंधरः द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है, वहीं अब 'धुरंधर' टीवी पर भी दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए तैयार है। इस कैंपेन के तहत जियोस्टार नेटवर्क के करीब 20 बड़े चैनलों जैसे स्टार गोल्ड, स्टार गोल्ड 2, स्टार गोल्ड रोमांस, स्टार गोल्ड थ्रिल्स, स्टार गोल्ड सेलेक्ट, स्टार उत्सव मूवीज, कलर्स सिनेप्लेक्स, कलर्स सिनेप्लेक्स बॉलीवुड, कलर्स सिनेप्लेक्स सुपरहिट्स, स्टार प्लस, कलर्स, एमटीवी, डिज्नी, निक, सोनिक और हंगामा पर एक साथ 'ग्लिच' दिखाया गया, जिससे लोगों में उत्सुकता बढ़ी।27 मार्च को रात 9:12 बजे अचानक स्क्रीन पर फ्लिकर और डिस्टर्बेंस दिखा, जिससे दर्शकों का ध्यान तुरंत गया। इसके बाद एक साथ अनाउंसमेंट हुआ कि 'धुरंधर' का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर 30 मई को शाम 7 बजे स्टार गोल्ड, स्टार गोल्ड 2 और कलर्स सिनेप्लेक्स पर एक साथ दिखाया जाएगा। जियोस्टार के प्रवक्ता ने कहा कि हम चाहते थे कि 'धुरंधर' का टीवी प्रीमियर भी फिल्म की तरह ही बड़ा और अलग लगे। इस खास ऑन-एयर एक्टिविटी से हमने दर्शकों का ध्यान तुरंत खींचा। यह पूरा कैंपेन फिल्म के बड़े स्तर को ध्यान में रखकर बनाया गया था, ताकि एक साथ ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचा जा सके। 'धुरंधर' का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर 30 मई को शाम 7 बजे स्टार गोल्ड, स्टार गोल्ड 2 और कलर्स सिनेप्लेक्स पर एक साथ प्रसारित होगा।

सोनम कपूर के घर आई खुशियों की बहार

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर और उनके पति आनंद आहूजा के घर एक बार फिर खुशियों ने दस्तक दी है। सोनम कपूर ने अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। इस खुशखबरी के बाद कपूर और आहूजा परिवार में जश्न का माहौल है। सोशल मीडिया पर फैंस और फिल्मी सितारे इस कपल को लगातार बधाइयां दे रहे हैं। सोनम और आनंद ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए इस खुशखबरी को शेयर किया। उन्होंने एक भावुक नोट में लिखा कि ₹बहुत कृतज्ञता और प्यार से भरे दिल के साथ हम अपने बेटे के आगमन की घोषणा कर रहे हैं। हमारा परिवार अब और भी खूबसूरत हो गया है।₹ उन्होंने यह भी बताया कि उनका बड़ा बेटा वायु आहूजा अपने छोटे भाई के आने से बेहद खुश है। इस खास मौके पर परणीति चोपड़ा, करी ना कपूर और हुमा कुरैशी समेत कई बॉलीवुड सितारों ने कपल को शुभकामनाएं दीं और नन्हे मेहमान पर प्यार लुटाया। सोशल मीडिया पर फैंस भी इस खुशी में शामिल होते नजर आए और लगातार बधाई संदेश भेज रहे हैं। गौरतलब है कि सोनम और आनंद की पहली मुलाकात साल 2015 में हुई थी, जिसके बाद दोनों ने 2018 में शादी रचाई।

DBD
दो बजे दोपहर
मुंबई, मंगलवार, 31 मार्च 2026

वॉर ब्रीफ

स्पेन ने अमेरिकी विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद किया

मैड्रिड। स्पेन की वामपंथी सरकार ने ईरान के खिलाफ मिशन पर निकले अमेरिकी विमानों के लिए स्पेनिश हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। इसके अलावा, वाशिंगटन को अपने सैन्य अड्डों का इस्तेमाल करने से भी मना कर दिया है। यह बात सोमवार को रक्षा मंत्री ने कही। मार्गरीटा रोबल्स ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। ईरान युद्ध से जुड़ी कार्रवाई के लिए स्पेनिश हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल की भी अनुमति नहीं है।'एल पाइस' की रिपोर्ट के अनुसार, स्पेन के सहयोग से इनकार करने के कारण अमेरिकी सैन्य अभियान जटिल हो गए हैं। इसके चलते बमवर्षक विमानों को मध्य-पूर्व जाते समय अपने रास्ते और लॉजिस्टिक्स (साजो-सामान की व्यवस्था) में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा है।

रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना प्रमुख मारे गए : ईरान

दुबई। ईरान ने सोमवार को रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना प्रमुख अलीरेजा तंगसिरी की मौत की पुष्टि कर दी है। इजरायल ने पिछले गुरुवार को दावा किया था कि उसने तंगसिरी को मार गिराया है। सोमवार को गार्ड की ओर से जारी बयान में कहा गया कि तंगसिरी अत्यधिक चोट लगने के कारण अल्लाह की शरण में चले गए।बयान में उनके प्रयासों की सराहना की गई, विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर ईरान की पकड़ बनाए रखने में उनकी मदद के लिए। बयान में आगे कहा गया, हर लड़ाका तंगसिरी है, और हम देखेंगे कि आने वाले दिनों और महीनों में वे क्या-क्या चौंकाने वाली चीजें सामने लाते हैं।

ईरान का भारी जल संयंत्र बुरी तरह क्षतिग्रस्त : आईएईए

वियना। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अनुसार हमले में मध्य ईरान के खोंडाब में स्थित ईरान का भारी जल उत्पादन संयंत्र बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। यहां से संचालन बंद हो चुका है।आईएईए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, सैटेलाइट तस्वीरों के स्वतंत्र विश्लेषण और संयंत्र की जानकारी के आधार पर यह खुलासा हुआ है। ईरान ने 27 मार्च को इस संयंत्र पर हमले की सूचना दी थी। संयंत्र को गंभीर क्षति पहुंची है और अब यह परिचालन में नहीं है। संयंत्र में कोई घोषित परमाणु सामग्री नहीं है।

खार्ग द्वीप पर कब्जा कर सकता है अमेरिका

एजेंसी । वाशिंगटन/तेहरान

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान से बातचीत का राग आलाप रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ अमेरिका ईरान में ग्राउंड ऑपरेशन की तैयारी में है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नई चेतावनी जारी की है और कहा है अगर ईरान जल्द ही युद्ध खत्म करने के समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो वह ईरान के तेल निर्यात केंद्र खर्ग द्वीप, तेल के कुओं और बिजली संयंत्रों को नष्ट कर देंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर यह धमकी दी। हालांकि एक दिन पहले ही उन्होंने सुलह का रुख दिखाते हुए संकेत दिया था कि इस सप्ताह कोई समझौता हो सकता है।

ट्रंप ने ईरान के तेल के कुओं और बिजली संयंत्रों पर भी हमले की धमकी दी

'होर्मुज नहीं खोला तो तबाह करेंगे बिजली पानी संयंत्र'

ट्रंप ने लिखा कि अमेरिका तेहरान में अधिक समझदार शासन के साथ गंभीर चर्चा कर रहा है। लेकिन साथ ही उन्होंने चेतावनी भी जोड़ दी। ट्रंप ने कहा, बहुत अच्छी प्रगति हुई है, लेकिन अगर किसी भी कारण से जल्द ही कोई समझौता नहीं होता है (जिसकी संभावना है कि हो जाएगा), और यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को व्यापार के लिए तुरंत 'खोला' नहीं जाता है, तो हम ईरान में उनके सभी बिजली उत्पादन संयंत्रों, तेल के कुओं और खर्ग द्वीप (और संभवत: सभी पानी संयंत्रों) को पूरी तरह से तबाह कर देंगे। जिन्हें हमने जानबूझकर अभी तक छुआ नहीं है।

ईरान के साथ समझौता जल्द संभव

इससे पहले, रविवार की रात ट्रंप ने वॉशिंगटन जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा था कि ईरान के साथ जल्द समझौता हो सकता है। अमेरिका ईरान से सीधे और अप्रत्यक्ष तौर पर बातचीत कर रहा है। मैं बस इतना कहूंगा कि हम बातचीत में बहुत अच्छा कर रहे हैं, लेकिन ईरान के मामले में आप कभी कुछ कह नहीं सकते। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और नया नेतृत्व बहुत अधिक समझदार है।

अधिकांश बिंदुओं पर ईरान सहमत

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका द्वारा दिए गए 15 सूत्री प्रस्ताव में ईरान अधिकांश बिंदुओं पर सहमत हो गया है। ट्रंप से पूछा गया कि क्या ईरान ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 15-सूत्रीय संघर्ष विराम योजना पर कोई जवाब दिया है, तो उन्होंने कहा कि हां, उन्होंने जवाब दिया है। उन्होंने हमें ज्यादातर बिंदुओं पर सहमति दी है। ट्रंप ने कहा, वे इस योजना पर हमसे सहमत हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई जीवित हैं, लेकिन वे बहुत गंभीर संकट में हैं। वे गंभीर रूप से घायल हैं।

फारस की खाड़ी में बारूदी सुरंगें बिछा देंगे : ईरान

दूसरी तरफ, ईरान ने धमकी दी है कि अगर उसके इलाके पर हमला हुआ, तो वह फारसी खाड़ी में बारूदी सुरंगें बिछा देगा। वहीं अमेरिका और इज़रायल ने सोमवार को भी अपने हमले जारी रखे, जबकि ईरान ने बुरी तरह प्रभावित कुवैत में एक अहम पानी और बिजली प्लांट पर हमला किया। यह खाड़ी के अरब देशों को निशाना बनाने के उसके चल रहे अभियान का हिस्सा था। ईरान ने सोमवार को इज़रायल की एक तेल रिफाइनरी पर भी हमला किया है।

खाड़ी क्षेत्र में सैनिक तैनात कर रहा US

हालांकि, बातचीत जारी है की बात कहने के साथ-साथ वॉशिंगटन इस क्षेत्र में अतिरिक्त सैनिकों की भी तैनाती कर रहा है। इस बात से ईरान के संसदीय नेतृत्व ने अमेरिका पर यह आरोप लगाया कि वह बातचीत के लिए तैयार होने का संकेत तो दे रहा है, लेकिन साथ ही ज़मीनी हमले की तैयारी भी कर रहा है; इस आरोप पर तेहरान की ओर से कड़ा जवाब आया। हालांकि, ईरानी नेताओं ने इस बात से इनकार किया है कि अमेरिका के साथ कोई भी सीधी बातचीत चल रही है।

ईरान समर्थित समूहों के हमले

एजेंसी । बगदाद

बगदाद में आर्मी बेस पर रॉकेट से हमला

बगदाद में हवाई अड्डा परिसार में स्थित इराकी सैन्य अड्डों पर रविवार को ईरान समर्थित समूहों ने रात भर रॉकेट दागे। हमले में इराकी वायुसेना का एक विमान नष्ट हो गया। इसी अड्डे पर अमेरिकी दूतावास के लिए एक सहायता केंद्र भी मौजूद है। इराक के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह अड्डा हवाई अड्डे परिसर में स्थित अमेरिका के राजनयिक और लॉजिस्टिक्स केंद्र के पास है। 28 फरवरी को मध्य पूर्व में युद्ध शुरू होने के बाद से इस केंद्र को बार-बार निशाना बनाया गया है। इराक ने हर कीमत पर इस संघर्ष से बचने की कोशिश की थी, इसके बावजूद वह इसमें घसीटा गया है। ईरान समर्थक सशस्त्र समूहों ने इराक और पूरे क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हुए हमलों की जिम्मेदारी ली है, जबकि इन समूहों पर भी हमले किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि सोमवार तड़के बगदाद के बाहरी इलाकों से दागे गए 122एमएम ग्रैड रॉकेटों से एयर बेस को निशाना बनाया गया। इस हमले के परिणामस्वरूप इराकी वायु सेना का एक एंटोनोव-132 विमान नष्ट हो गया। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

बांग्लादेश में ऊर्जा संकट गहराया

ढाका। बांग्लादेश ने सरकारी कर्मचारियों को बिजली बचाने के लिए लाइटें बंद करने और एसी का तापमान कम रखने का आदेश दिया है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि मध्य-पूर्व में चल रहे युद्ध के कारण ऊर्जा संकट और गहरा गया है।17 करोड़ की आबादी वाला यह दक्षिण एशियाई देश अपनी तेल और गैस की जरूरतों का 95 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। लोक प्रशासन मंत्रालय के अधिकारी सखावत हुसैन ने सोमवार को एएफपी को बताया कि मंत्रालय ने दफ्तर में उपस्थिति और बिजली तथा ईंधन बचाने के संबंध में कई आदेश जारी किए हैं। रविवार देर रात जारी आदेश में कहा गया है कि केवल जरूरी संख्या में ही लाइटें, पंखे, एयर कंडीशनर और अन्य बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसमें कर्मचारियों को यह भी याद दिलाया गया है कि दफ्तर से निकलते समय वे लाइटें बंद कर दें, और यह आदेश भी दिया गया है।

सरकार ने जारी किए जनगणना से जुड़े 33 सवाल

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 के पहले चरण के लिए 33 महत्वपूर्ण सवाल जारी किए हैं, जिससे लोगों को प्रक्रिया समझने में आसानी हो सके। इसके साथ ही एक FAQ (अक्सर पूछे जाने वाले सवाल) पोर्टल भी शुरू किया गया है, जहां नागरिक खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इस बार जनगणना में एक अहम बदलाव देखने को मिला है।

- लिव-इन कपल को स्थिर रिश्ते पर विवाहित माना जाएगा

व्यक्तिगत डेटा पूरी तरह गोपनीय, आरटीआई से भी नहीं मिलेगा जवाब

महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए कहा कि जनगणना अधिनियम में एक महत्वपूर्ण प्रावधान, धारा पंद्रह, शामिल है। यह प्रावधान बताता है कि व्यक्तिगत जानकारी को पूरी तरह गोपनीय माना जाता है। इसे आरटीआई अधिनियम के तहत साझा नहीं किया जा सकता है। इसे अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इसे किसी अन्य संगठन के साथ साझा भी नहीं किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भूमिका इस पूरे कार्य में केंद्रीय है।

लिव-इन कपल्स को शादीशुदा माना जाएगा

सरकार की तरफ से जारी हुए FAQ के अनुसार, अगर कोई लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा जोड़ा अपने संबंध को स्थिर मानता है, तो उसे शादीशुदा जोड़े के रूप में दर्ज किया जाएगा। यह स्पष्टीकरण जनगणना के सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल पर दिए गए एक सवाल के जवाब में सामने आया है।

एक नजर

पहला चरण
- अप्रैल से सितंबर के बीच मकानों की गणना

दूसरा चरण
- नागरिकों की गणना मार्च, 2027 से शुरू होगी

कितना खर्च?
- जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए

डिजिटल जियो-टैगिंग
- देश के हर भवन के लिए यूनिक आईडी और मैपिंग के लिए जियो टैगिंग

गोपनीयता का ध्यान
- जनगणना कानून की धारा 15 के तहत व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहेगी

मनरेगा कमजोर कर मजदूरों को छोड़ा बेसहारा : खरगे

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मनरेगा के तहत मिलने वाले काम के अधिकार को खत्म कर दिया और नई घोषित योजना का जमीनी स्तर पर कोई असर नहीं दिख रहा। खरगे ने कहा कि इससे लाखों मजदूरों की आजीविका पर सीधा असर पड़ा है। खरगे ने कहा कि सरकार ने जिस वीबी-जी-राम जी योजना का प्रचार किया। वह जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर कोविड काल की बात करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि उसी समय मनरेगा ने लाखों मजदूरों को राहत दी थी। अब हालात यह हैं कि कई राज्यों में काम बंद होने की शिकायतें आ रही हैं।

क्या मनरेगा में काम बंद होने के आरोप हैं?

खरगे ने कहा कि बिहार के मुजफ्फरपुर में पिछले 87 दिनों से 12,000 मजदूर काम न मिलने के कारण प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से भी मनरेगा के काम रुकने की खबरें सामने आ रही हैं। कुछ जगहों पर अधिकारियों को नए काम शुरू न करने के निर्देश मिलने की भी बात कही जा रही है।

महिलाओं के अंतर्वस्त्र चुरा रहा साइको चोर

एजेंसी । बंगलूरू

कर्नाटक के कोप्पल जिले में इन दिनों एक अजीबोगरीब चोर की दहशत है। यहां के गंगावती शहर में एक अज्ञात व्यक्ति पिछले कुछ दिनों से महिलाओं के अंतर्वस्त्रों की चोरी कर रहा है। यह साइको चोर रात में घरों में घुसकर सिर्फ महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चुरा रहा है। इस सनकी चोर की हरकतों ने स्थानीय निवासियों और खासकर महिलाओं के मन में डर पैदा कर दिया है। उसकी हरकतें सीसीटीवी में कैद हो गई हैं, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी है।